



पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

marsh_media_advertisers

संपादकीय

यूरोप में बवाल

तलाशें उबाल से उपजे सवालों के निहितार्थ

फ्रांस में स्कूलों की शिक्षा व्यवस्था में व्यापक सुधार की मांग को लेकर शुरू हुआ आंदोलन धीरे-धीरे आमजनी और मॉल व महंगे स्टोरों में लूट तक जा पहुंचा है। निस्संदेह, कथित वैश्वीकरण और उदारीकरण के चलते वैश्विक स्तर पर उपजी आर्थिक विषमता ने अमीरी-गरीबी की खाई को और गहरा किया है। एक ओर जहां व्यापार के केंद्र बने अभिजात्य वर्ग के स्कूल-कॉलेज व विश्वविद्यालय फल-फूल रहे हैं,वहीं सरकारी अनुदान से चलने वाले शिक्षण संस्थानों की बदहाली जगजाहिर है। यह विषमता विश्वव्यापी है और आक्रोश भी। दरअसल, लोकतांत्रिक सरकारों की जो परंपरागत कल्याणकारी

“**दरअसल, लोकतांत्रिक सरकारों की जो परंपरागत कल्याणकारी नीतियों की अवधारणा थी, वह नये आर्थिक दौर में मुनाफे पर आधारित व्यवस्था में तब्दील होती गई। राजनेताओं व सत्ता से जुड़े लोगों की शैक्षणिक संस्थाओं के मुनाफे में भागीदारी ने स्थितियों को विषम बनाया है। हालाँकि, सत्ताधीशों की विलासिता में कोई कमी नहीं आई, लेकिन आम जनता चौरफा आर्थिक दबावों से तलाश रहे हैं। सबसे पहले एक सदी बाद आई कोरोना की महामारी ने विश्व आपूर्ति शृंखला को तो बाधित किया ही, सैकड़ों किस्म के रोजगारों को भी खत्म किया। जैसे-तैसे एक साल बाद उस आर्थिक संकट से दुनिया उबरने की कोशिश में थी कि युद्ध ने सब चौपट कर दिया। दुनिया की अर्थव्यवस्थाओं को पहले रूस–यूक्रेन युद्ध ने बुरी तरह प्रभावित किया। फिर इसाइल–हमास संघर्ष ने इस संकट को बढ़ाया। इसके उपरांत अमेरिका द्वारा ईरान पर थोपे गये युद्ध ने पूरी दुनिया में ईंधन संकट खड़ा कर दिया। दुनिया के देशों के बजट चरमप्राए और लोक कल्याण से जुड़ी संस्थाएं और योजनाएं हाशिये पर आ गई। वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति बाधित होने से ईंधन के दामों में अप्रत्याशित वृद्धि हुई और महंगाई कुलांचे भरने लगी। जो कालांतर सामाजिक असंतोष की वाहक बनी। निस्संदेह, सुनहरे सपने लेकर आगे बढ़ रही युवा पीढ़ी की आशाओं पर इस संकट ने तुषारापात किया। शिक्षा व्यवस्था महंगी हुई और रोजगार के अवसर सिमटते गए। निस्संदेह, दुनिया की महाशक्तियों की निरंकुश व निर्भम नीतियों ने पूरी दुनिया में लोगों के जीवन को कष्टकारी बनाया है। इसीलिए भविष्य की आशंकाओं ने युवाओं को आक्रोशित किया।**

दरअसल, यूरोप के जिन तमाम देशों में फिलहाल आक्रोश की लपटें दिखायी दे रही हैं, उनके मूल में निफि युवाओं का गुस्सा ही नहीं है। इस तपिश में रोटी सेंकने के लिये राजनीतिक दल आतुर दिखायी देते हैं। फ्रांस में जहां दक्षिणपंथी उभार के संकेत दिखायी दे रहे हैं, वहीं कुछ देशों में वाम व श्रमिक संगठन अपने अवसर तलाश रहे हैं। जहां दक्षिणपंथी दल प्रवासियों को अपने-अपने देश की समस्याओं की वजह बता रहे हैं, वहीं वामपंथी दल सत्ता में भागीदारी को आतुर हैं। यह कटु सत्य यह है कि जिन देशों में इस समय आंदोलन उभार पर हैं, उनमें से स्पेन, फ्रांस, इटली,पोलैंड और ग्रीस में महत्वपूर्ण चुनाव होने वाले हैं। अतः इन आंदोलनों के राजनीतिक निहितार्थ समझना कठिन नहीं होगा। आम आदमी जहां पेट्रोलियम पदार्थों, खाद्य वस्तुओं की कीमतें और आवासीय महंगाई बढ़ने से आक्रोशित है, वहीं युवा रोजगार संकट से त्रस्त हैं। उन्हें अपना भविष्य अंधकारमय दिखायी दे रहा है। वहीं अल्बानिया में हिंसक रूप ले चुका आंदोलन सिस्टम के भ्रष्टाचार के विरुद्ध मुखर है। आंदोलनकारियों ने लोकतंत्र के अप्रभारभूत स्तंभों से जुड़े संस्थानों तक को आग के हवाले किया है। दरअसल, समाज में एक ओर अभिजात्य वर्ग की विलासिता बस्तूर-मकान है, वहीं दूसरी ओर समाज के एक बड़े वर्ग को रोटी-कपड़ा-मराना जैसी मूलभूत आवश्यकताओं के लिये संघर्ष करना पड़ रहा है। सराधीशों की संवेदनहीनता और लोक कल्याण के वायदों का हकीकत न बन पाना आक्रोश की वजह बन रहा है। कहीं न कहीं कथित सोशल मीडिया ने भी इस तपिश को ईंधन उपलब्ध कराया है। जिसमें दिखाया जा रहा स्वप्नलोक तो लुभावना है, लेकिन हकीकत खुरदरी है। एक तरफ अथाह विलासिता के बिंब हैं, दूसरी तरफ जीवन की मूलभूत जरूरतों का संकट। वहीं सोशल मीडिया पर प्रसारित अन्तर्माणिक व अतिरंजित सामग्री युवाओं को आक्रामक बना रही है। वे विषमता व विसंगतियों के खिलाफखड़े होते हैं तो उनका आंदोलन निहित स्वाधी तत्वों द्वारा हैक कर लिया जाता है। निस्संदेह, दुकानों को लूटने वाले जेन-जी नहीं हो सकते। मॉक व हूडी पहनकर सुपर बाजार व मॉल लूटने वालों की वास्तविक पहचान करने की जरूरत है।

भाषा सिंह

युवा पीढ़ी के गुस्से की वजह एक नहीं, अलग-अलग हैं। लेकिन एक चीज कॉमन है और वह यह कि उनके जीवन से जुड़ी बुनियादी जरूरतों के बारे में उनके देशों की सरकारों का उदासीन रवैया है। जिस स्तर पर उनका गुस्सा भड़का है, उससे यह बात भी साफ है कि वे लंबे समय से अपने देश की सरकारों की गलत नीतियों से परेशान थे, पीड़ित थे और अब उनमें बदलाव चाहते हैं।

यूरोप में युवा सड़कों पर हैं, गुस्से में हैं और उनका आंदोलन उग्र रूप ले चुका है। फ्रांस में आंदोलन के गुस्से का शिकार बड़े पैमाने पर लंबे इतिहास को समेटे सरकारी इमारतें हुई हैं। हिंसा और आगजनी का दौर चल रहा है, भीड़ बेकाबू नजर आ रही है। करीब 44 देशों के समूह को यूरोप कहा जाता है, जिसमें से फ्रांस, जर्मनी, इटली, स्पेन और अल्बानिया में युवाओं का आंदोलन पूरे उफान पर है। बाकी देशों में भी युवाओं की नाराजगी की सुगबुगाहट शुरू हो गई है। इन तमाम देशों में जेनजी यानी वर्ष 1997 से 2012 के बीच पैदा हुई युवा पीढ़ी के गुस्से की वजह एक नहीं, अलग-अलग है। लेकिन एक चीज कॉमन है और वह यह कि उनके जीवन से जुड़ी बुनियादी जरूरतों के बारे में उनके देशों की सरकारों का उदासीन रवैया है। जिस स्तर पर उनका गुस्सा भड़का है, उससे यह बात भी साफ है कि वे लंबे समय से अपने देश की सरकारों की गलत नीतियों से परेशान थे, पीड़ित थे और अब उनमें बदलाव चाहते हैं। बाकी दुनिया में चले जेनजी आंदोलन की तरह यहां भी कोई एक संगठन या पार्टी उनका नेतृत्व करती नहीं नजर आ रही है। बहुत हद तक ये तमाम आंदोलन स्वतःस्फूर्त नजर आ रहे हैं।

फ्रांस में बढ़ती हिंसा-आगजनी को लेकर दुनिया भर में चिंता व्यक्त की जा रही है। फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों ने सीधे-सीधे कहा कि इस तरह की हिंसा फ्रांस की जनता कैसे कर सकती है, यह अराजक तत्वों का गंदा खेल है, जिससे देश यानी फ्रांस को नुकसान हो रहा है। हालाँकि, यहाँ मैक्रों यह बताने में असफल रहते हैं कि जो आंदोलन स्कूलों की बदतर हालत को सुधारने के लिए शुरू हुआ, वह यहां तक कैसे पहुंचा और क्यों उनकी सरकार ने इस मुद्दे को शुरू में ही



हल करने का प्रयास नहीं किया। अब तो जेनजी आंदोलन उनके हाथ से बाहर निकल गया है। प्रदर्शनकारियों ने लिमोज में 19वीं सदी के ऐतिहासिक सिटी हॉल में आग लगा दी। पेरिस के लगजरी ब्रांडों की दुकानों, बैंकों व दूसरे भवनों में आग लगा दी। पेरिस के वाणिज्य मंडल के अध्यक्ष के अनुसार, शनिवार-रविवार को करीब 400 दुकानों को नुकसान पहुंचाया गया। खराब स्कूलों और छात्रविरोधी शिक्षा नीति के खिलाफ शुरू हुआ आंदोलन रौद्र रूप हासिल कर चुका है।

किसी ने भी सितंबर में यह नहीं सोचा था कि स्कूलों की बदहाली, शिक्षकों की कमी और विश्वविद्यालय में दाखिले के मुद्दों से शुरू हुआ यह आंदोलन इतना उग्र रूप धारण कर लेगा। उधर, स्पेन और पुर्तगाल जैसे देशों में युवाओं का गुस्सा महंगे घरों और ऊंचे किराये को लेकर फूटा। यहां के युवाओं का कहना है कि महंगाई इतनी बढ़ गई है कि वे किराये पर घर नहीं ले पा रहे हैं और उनका भविष्य चौपट हो रहा है। वहीं, बेल्जियम में सरकारी बजट में कटीती ने युवाओं और ट्रेड यूनियनों को सड़कों पर उतार दिया है। बेल्जियम में ट्रेड यूनियन लंबे समय से सरकार की मजदूर-विरोधी नीतियों के खिलाफगुस्से में थीं। छात्रों ने भी अब मोर्चा संभाल लिया है।

यूरोप इस समय जबरदस्त महंगाई की मार झेल

रहा है। इससे लोगों में नाराजगी बढ़ रही है। इटली में युवाओं का गुस्सा महंगाई, रोजमर्रा की चीजों की कीमतों में आए उछाल और नौकरियों के संकट को लेकर फूटा है। उधर, अल्बानिया में जेनजी आंदोलन फ्रांस की ही तरह उग्र और हिंसक रूप ले चुका है। यहां व्यवस्था में जिस तरह भ्रष्टाचार व्याप्त है और वहां की अदालतें जिस तरह भ्रष्ट व्यवस्था के साथ खड़ी हैं, उसे लेकर युवाओं और बाकी जनता में बहुत गुस्सा है। अल्बानिया में आंदोलनकारियों ने सुप्रीम कोर्ट को ही जला दिया, क्योंकि उनका कहना था कि कोर्ट भ्रष्ट सरकार को बचाने का काम कर रहा है और जनता की बात नहीं सुन रहा है। इस हिंसा का विरोध भी हुआ है, लेकिन अभी बातचीत का दौर शुरू नहीं हो पाया है।

यूरोप और खास तौर से फ्रांस के विकास के मिथक को इस आंदोलन ने तोड़ा है, क्योंकि फ्रांस के एक छोटे से इलाके क्रेतेई के हाईस्कूल में छात्रों ने इसकी शुरुआत की। वे अपने स्कूल के खराब हालात से परेशान थे। टूटी इमारत, टूटी खिड़कियां, कम शिक्षक, स्कूलों में कॉकरोचों व चूहों का आतंक—इन सब पर उनका गुस्सा फूटा था। लंबे समय से स्कूली छात्रों, उनके अभिभावकों और शिक्षकों में स्कूलों की बदहाल स्थिति को लेकर नाराजगी थी। फ्रांस के स्कूलों में भी अमीरों के निजी स्कूलों और सरकारी स्कूलों की स्थिति में बहुत अंतर है। अंतर

इलाकों के हिसाब से भी है। बड़े शहरों के पॉश इलाकों के स्कूल ठीक हैं, वहां अध्यापकों की उपलब्धता भी ठीक है। ऐसा दूर-दराज के इलाकों में नहीं है।

इस आंदोलन के दौरान यह सवाल भी सामने आया कि जहां गरीब लोग रहते हैं, वहां के स्कूलों को बेसहारा छोड़ दिया गया है। इन स्कूलों के शिक्षकों का भी कहना है कि कम आय वाले इलाकों में स्कूल होने की वजह से यहां पर्याप्त सुविधाएं और संसाधन सरकार नहीं देती है। इन स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों का भविष्य चौपट हो जाता है। यह भेदभाव है, जिसे अब हम बदरश्त नहीं करेंगे। जब से यह आंदोलन शुरू हुआ है, तब से चर्चा के केंद्र में मैक्रों सरकार की गलत नीतियां भी आई हैं। इसके केंद्र में यह मांग है कि फ्रांस के सभी छात्रों को अच्छी शिक्षा, सुरक्षित स्कूल और समान अवसर मिलने चाहिए। इसके लिए नीतिगत बदलाव की मांग जोर पकड़ रही है।

बड़ी संख्या में छात्र फ्रांस की विश्वविद्यालय प्रवेश प्रणाली में भी बदलाव की मांग कर रहे हैं। ज्यादा स्कूल खोलने की मांग तो हो ही रही है। छात्रों का मानना है कि सरकार शिक्षा के बुनियादी अधिकार पर ध्यान न देकर उनके भविष्य को चौपट कर रही है। स्कूलों में पढ़ाई के लिए बुनियादी सुविधाओं के अभाव और सरकार की अनदेखी ने युवा वर्ग के गुस्से को उबाल पर ला दिया, जिसकी वजह से कई जगहों पर आंदोलन ने बहुत उग्र रूप अखिराण कर लिया। आज की तारीख में यह आंदोलन बेहद उग्र रूप ले चुका है और मौजूदा सरकार के हाथ-पैर फूले हुए हैं। एक राष्ट्रीय संकट खड़ा हो गया है।

इस जेनजी उग्र-आंदोलन में सोशल मीडिया की भी अहम भूमिका है। दुनिया भर के जेनजी एक-दूसरे से जुड़ाव महसूस करते हैं और एक-दूसरे का समर्थन भी करते हैं। यही वजह है कि जब सितंबर 2026 में फ्रांस में स्कूली शिक्षा को लेकर आंदोलन शुरू हुआ, तो इसका असर आसपास के देशों पर भी बढ़ना शुरू हो गया और आज इसने यूरोप के एक बड़े हिस्से को अपनी गिरफ्त में ले लिया है। हर देश के जेनजी की मांग अलग है, लेकिन जन्मा एक ही है—हर सूरत में इंसाफ चाहिए, चाहे इसके लिए कुछ भी क्यों न करना पड़े।

लेखिका वरिष्ठ पत्रकारा हैं।

हिमालय को बचाने के लिए वैज्ञानिक निगरानी जरूरी

जयसिंग रावत

नेपाल की विनाशकारी बाढ़ ने हिमालयी आपदाओं के छिपे खतरे उजागर किए हैं। उपग्रह आंकड़ों से पता चला कि पहाड़ टूटने से पहले ही खिसकने लगा था। काश! हम समय रहते संकेत पहचान पाते।

नेपाल में गत 26 अगस्त को आई विनाशकारी बाढ़ के बाद वैज्ञानिकों ने एक ऐसा खुलासा किया है, जो समूचे हिमालय के लिए खतरे की घंटी है। जिस पहाड़ के टूटने से नेपाल और चीन में हजारों लोग मारे गए अथवा लापता हो गए, वह आपदा से कई सप्ताह पहले ही खिसकने लगा था। यूरोपीय सेंटिनल-1 उपग्रह ने 48 दिनों के दौरान उसकी सतह में 40 सेंटीमीटर तक का संचलन दर्ज किया था। इसका अर्थ है कि पहाड़ के भीतर बढ़ती अस्थिरता के संकेत अंतरिक्ष से मिल रहे थे, लेकिन उन्हें समय रहते प्रभावी चेतावनी में नहीं बदला जा सका। यह खुलासा इंटरनेशनल सेंटर फॉर इंटीग्रेटेड माडर्न डेवलपमेंट (आईसीआईएमओडी) की 13 अक्तूबर को जारी वैज्ञानिक रिपोर्ट में हुआ है।

रिपोर्ट के अनुसार, 26 अगस्त की सुबह लगभग 8:37 बजे नेपाल के रसुवा क्षेत्र में 7,227 मीटर ऊंचे लांगटांग लिरुंग पर्वत के उत्तरी हिस्से से लगभग 13.2 करोड़ घनमीटर चट्टान और हिमनद की बर्फ टूटकर नीचे आ गिरी। कर्ना 1,200 मीटर नीचे ल्हेंदे खोला घाटी में गिरते ही यह विशाल द्रव्यमान चट्टानों, बर्फ मिट्टी और पानी के प्रचंड प्रवाह में बदल गया। विनाशकारी मलबा-बाढ़ नेपाल-चीन सीमा से गुजरती हुई भोटेकोशी और त्रिशुली नदी घाटियों में फैल गई। इसकी तीव्रता इतनी अधिक थी कि दूरस्थ भूकंपीय उपकरणों ने भी कंपन दर्ज किया।

इस वैज्ञानिक अध्ययन का सबसे महत्वपूर्ण निष्कर्ष उपग्रह से प्राप्त आंकड़े हैं। सेंटिनल-1 की रडार तकनीक ने 7 जुलाई से 24 अगस्त के बीच पर्वतीय ढलान में क्रमिक परिवर्तन दर्ज किया। इस तकनीक



को इंटरफेरोमेट्रिक सिंथेटिक अपचर रडार कहा जाता है। इसके माध्यम से बादलों और अंधेरे की परिस्थितियों में भी धरातल की सूक्ष्म हलचलों का आकलन संभव है। हालाँकि, 40 सेंटीमीटर का आंकड़ा उपग्रह की दृष्टिरेखा की दिशा में मापा गया संचलन है, न कि पहाड़ के वास्तविक विस्थापन का संपूर्ण माप। फिर भी, यह बढ़ती अस्थिरता का एक महत्वपूर्ण संकेत था।

वैज्ञानिकों ने एक अन्य धारणा में भी संशोधन किया है। प्राप्रभ में इस बाढ़ को हिमनद झील के फटने की घटना माना जा रहा था, लेकिन अध्ययन के अनुसार, इसका प्रमुख कारण आधारशिला का व्यापक रूप से टूटना था। चट्टानें अपने ऊपर स्थित हिमनद की बर्फों के साथ लेकर नीचे गिरीं और इससे विनाशकारी मलबा प्रवाह उत्पन्न हुआ।

वैज्ञानिकों ने कई संभावित कारणों की पहचान की है। इनमें भूगर्भीय दरारें, वर्ष 2015 के नेपाल भूकंप से उत्पन्न क्षति, स्थायी रूप से जमी भूमि का पिघलना,

हिमनदों में परिवर्तन और बर्फ के भार में उतार-चढ़ाव शामिल हैं। बढ़ता तापमान ऊंचाई वाले क्षेत्रों में जमी बर्फ और चट्टानों के बीच प्राकृतिक बंधन को कमजोर कर सकता है। हालाँकि, वैज्ञानिकों ने अभी किसी एक कारण को निर्णायक रूप से जिम्मेदार नहीं ठहराया है। इस आपदा ने मौजूदा पूर्व चेतावनी प्रणालियों की सीमाएं भी उजागर की हैं। अधिकांश व्यवस्थाएं वर्षा, तब नीचे स्थापित जलस्तर मापक उपकरण पर्याप्त समय पहले चेतावनी देने में सक्षम नहीं होते। नेपाल की घटना में चेतावनी संदेश पहाड़ टूटने के लगभग 38 मिनट बाद भेजे गए। तब तक विनाशकारी प्रवाह कई प्रभावित बस्तियों से गुजर चुका था।

यह चेतावनी भारत, विशेषकर उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। फरवरी 2021 की ऋषिगंगा-धौलीगंगा आपदा में भी ऊंचाई

पर चट्टान और बर्फ का विशाल हिस्सा टूटने से विनाशकारी बाढ़ उत्पन्न हुई थी। इस घटना ने तपोवन-विष्णुगढ़ परियोजना सहित नदी घाटी के बुनियादी ढांचे को भारी क्षति पहुंचाई। केदारनाथ की 2013 की त्रासदी और हिमालय की अलग-अलग घटनाएं बताती हैं कि पर्वतीय आपदाओं का स्वरूप अलग-अलग हो सकता है, लेकिन निचले इलाकों में बसे समुदायों के लिए उनके परिणाम अत्यंत गंभीर होते हैं।

उत्तराखंड में वसुंधरा ताल जैसी संवेदनशील हिमनद झीलों की निगरानी की पहल उपयोगी है, लेकिन सुरक्षा व्यवस्था को केवल झीलों तक सीमित नहीं रखा जा सकता। ऊंचे पर्वतीय ढलानों, हिमनदों, अस्थिर चट्टानों और नदी घाटियों का संयुक्त जोखिम मानचित्र तैयार करना होगा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन, राष्ट्रीय सुदूर संवेदन केंद्र, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण, वाडिया हिमालय भूविज्ञान संस्थान और आपदा प्रबंधन एजेंसियों के बीच नियमित वैज्ञानिक समन्वय आवश्यक है।

उपग्रहों से संवेदनशील ढलानों की पहचान करने के बाद वहां भू-संचलन मापक उपकरण, स्वचालित मौसम केंद्र, भूकंपीय संवेदक और नदी प्रवाह निगरानी प्रणालियां स्थापित की जा सकती हैं। महत्वपूर्ण बात यह है कि वैज्ञानिक जानकारी केवल स्थल संस्थानों तक सीमित न रहे। इसे जोखिम के आधार पर वर्गीकृत करके प्रशासन, जलविद्युत परियोजनाओं, सीमावर्ती सुरक्षा एजेंसियों और स्थानीय समुदायों तक पहुंचाने की व्यवस्था होनी चाहिए। चेतावनी का प्रदर्शन करने के बजाय उनसे निकासी मार्गों और नियमित अभ्यास की तैयारी भी जरूरी है। नेपाल, चीन और भारत के पर्वतीय जलगमन क्षेत्र परस्पर जुड़े हुए हैं। इसलिए उपग्रह आंकड़ों, मौसम संबंधी सूचनाओं और संभावित खतरों की समयबद्ध साझेदारी अनिवार्य है।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

भारत के फैसलों पर चीन का दोहरा रवैया



जबकि यह भारत का एक घरेलू प्रशासनिक फैसला था? चीन आनुच्छेद 370 हटाय़ा गया, तो दिल्ली ने चीन को स्पष्ट रूप से बता दिया था कि यह भारत का आंतरिक मामला है और इसका भारत-चीन सीमा विवाद के सवालों पर कोई प्रभाव नहीं है। सीमा से जुड़े विवादों पर दोनों देशों के बीच संवाद और वार्ता जारी रखने की जरूरत है। फिर भी, शायद पाकिस्तान के उकसावे पर चीन ने इन दो केंद्र शासित प्रदेशों के गठन पर आपत्ति जताई थी। चीन ने कभी भारत को यह नहीं बताया कि वह अनुच्छेद 370

के तहत मिली विशेष व्यवस्था को खत्म करने का विरोध क्यों कर रहा है। शायद अब समय आ गया है कि चीन इस मामले पर खुलकर बात करे और भारत को बताए कि उसे क्या आपत्तियां हैं। हो सकता है कि चीन ऐसा न करना चाहे, क्योंकि इससे भारत के घरेलू मामले पर उसका रुख सबके सामने आ जाएगा।

बेशक, हमें यह भी याद रखना चाहिए कि जब 1987 में भारत ने अरुणाचल प्रदेश को केंद्र शासित प्रदेश से राज्य का दर्जा दिया था, तब भी चीन ने उस कदम पर आपत्ति जताई थी।

यह हमें चीनी विदेश मंत्रालय के बयान के तीसरे पहलू पर लाता है, जिसमें कहा गया है ‘...इससे यह तथ्य नहीं बदल जाता कि भारत-चीन सीमा का पश्चिमी हिस्सा चीन का है।’ असल बिंदु यही है। भारत उस इलाके पर सवाल उठाता है, जिसे चीन अपना क्षेत्र मानता है। वहीं दूसरी ओर, चीन को उस इलाके पर एतराजू है, जिसे भारत अपना कहता है। इसीलिए वहां सीमा का सवाल या सीमा विवाद है।

अब ऐसा लगता है कि चीन एकतरफा तौर

पर यह कह रहा है कि जिस क्षेत्र को दोनों देश मोटे तौर पर सीमा का पश्चिमी हिस्सा परिभाषित करते हैं, वह चीन का इलाका है। हो सकता है कि यह इस मुद्दे पर अपना पक्ष दोहराने का एक तरीका हो, लेकिन यह काफी बचकाना है। इन मुद्दों पर आगे बढ़ने का तरीका यह है कि आमने-सामने बैठकर खुलकर बातचीत की जाए। हालाँकि, 2020 में पूर्वी लद्दाख में चीन की सैन्य गतिविधियों के बाद से ऐसी वार्ता बहुत मुश्किल, लंबी और समय लेने वाली हो गई है।

चीन के लिए असली महाशक्ति बनने की दिशा में आगे बढ़ना तभी संभव होगा, जब वह आरोप-प्रत्यारोप, इशारों-इशारों में बात करने और कूटनीतिक भाषा का सहारा लेने के बजाय व्यावहारिक, यथार्थवादी और स्पष्ट रुख अपनाकर ऐसे मुद्दों पर खुलकर चर्चा करे। अपनी भुजाएं फड़काते और अपनी विनाशाली राष्ट्रीय शक्ति का प्रदर्शन करने के बजाय उसे व्यावहारिक और समाधान खोजने वाला रुख अपनाना चाहिए।

हो सकता है कि इससे भारत और चीन के बीच सीमा विवाद का समाधान न निकले, लेकिन इससे दोनों पड़ोसियों के बीच अधिक स्पष्ट, सीधे और सरल संबंधों की नींव पड़ सकती है।

लेखक चीन में भारत के पूर्व राजदूत और पुणे इंटरनेशनल सेंटर में ट्रस्टी हैं।

गौतम बंबावाले

लद्दाख में 28 स्थानों के नाम तय करने के भारत के कदम पर चीन की तीखी प्रतिक्रिया ने उसके दोहरे मापदंड उजागर कर दिए हैं। सवाल है कि भारत के आंतरिक मामलों में दखल देने का अधिकार चीन को किसने दिया?

लद्दाख में 28 जगहों की पहचान करके और उन्हें आधिकारिक नक्शे पर चिह्नित करते हुए उनके नाम तय करने के भारत के कदम पर चीन ने त्वरित और कुछ हद तक चिढ़ भरी प्रतिक्रिया दी है। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने गत 13 अक्तूबर को कहा, ‘चीन भारत द्वारा प्रचारित तथाकथित तय नामों का कड़ा विरोध करता है’ और कहा कि ‘यह कदम गैर-कानूनी और अमान्य है’।

भारत के जवाबी कदम उठाने से बहुत पहले ही चीन ने खुद ऐसा करना शुरू कर दिया था, लेकिन उसने इस बात को पूरी तरह से नज़रअंदाज़ कर दिया है कि यह उसकी अपनी कार्रवाई की प्रतिक्रिया है। यह खेल का एक जाना-पहचाना तरीका है। चीन जो करे, वह सही; जब वही काम कोई दूसरा करे, तो गलत! ऐसा लगता है कि भारत का यह कदम चीन को चुभ गया है—तभी तो उसने तुरंत और कड़ी प्रतिक्रिया दी है। अपनी ताकत के घमंड में चीन इस साधारण-से तथ्य को नज़रअंदाज़ कर रहा है कि यह खेल दोनों तरफ से खेला जा सकता है। भारत तो बस उसी काम को आगे बढ़ा रहा है, जिसकी शुरुआत पहले चीन ने की थी। चीन के कर्ता-धर्ताओं को आने वाले महीनों और

सालों में भारत की ओर से ऐसे और भी ‘तय नामों’—यह वह शब्द है, जिसका इस्तेमाल खुद चीनी करते हैं—की उम्मीद करनी चाहिए। कृपया यह न भूलें कि कुछ महीने पहले अरुणाचल प्रदेश में भी ऐसा ही किया गया था। अगस्त में भारत ने अरुणाचल प्रदेश में 27 जगहों और भौगोलिक विशेषताओं के नाम तय किए हैं। गुह मंत्रालय ने घोषणा की थी यह काम राज्य सरकार के साथ सलाह-मशविरा करके किया गया है।

चीनी विदेश मंत्रालय के बयान के कुछ और पहलू भी हैं, जिन पर गहराई से विश्लेषण करने की जरूरत है। इसमें कहा गया है कि ‘चीन ने कभी भी भारत द्वारा एकतरफा एवं गैर-कानूनी तरीके से बनाए गए तथाकथित ‘केंद्रशासित प्रदेश लद्दाख’ को मान्यता नहीं दी है’।

इस टिप्पणी से तुरंत ये सवाल उठते हैं : क्या भारत के प्रशासनिक ढांचे में किसी भी बदलाव में चीन के दखल की कोई गुंजाइश है? क्या यह पूरी तरह से भारत का अपना फैसला नहीं है? क्या चीन ने तब आपत्ति जताई थी, जब 2014 में पुराने आंध्र प्रदेश से अलग होकर तेलंगाना राज्य बना था? साफ तौर पर नहीं। तो फिर चीन को ऐसा क्यों लगता है कि 2019 में जब भारत ने जम्मू-कश्मीर और लद्दाख को केंद्र शासित प्रदेश बनाया, तो उसमें उसकी भी कोई सहमति होनी चाहिए? अनुच्छेद 370 को हटाने पर चीन कैसे आपत्ति जता सकता है,

खास खबर



श्री गौ चिकित्सालय
संरक्षण - श्री चक्रधर गौशाला ट्रस्ट (रंजीपुर)
रायपुर (छ.ग.)

चक्रधर गौशाला की पहल से गौवंश के उपचार और देखभाल होगी मजबूत

रायपुर। गौ सेवा हमारी सनातन संस्कृति, परंपराओं और जीवन मूल्यों का अभिन्न अंग है। गौवंश का संरक्षण एवं संवर्धन केवल धार्मिक आस्था का विषय नहीं, बल्कि हमारी सामाजिक और नैतिक जिम्मेदारी भी है। प्रदेश के वित्त मंत्री एवं रायगढ़ विधायक ओपी चौधरी ने विजयादशमी के पावन अवसर पर रायगढ़ में चक्रधर गौशाला ट्रस्ट द्वारा नवनिर्मित गौ चिकित्सालय का शुभारंभ करते हुए यह बात कही। वित्त मंत्री ने गौ चिकित्सालय के शुभारंभ पर चक्रधर गौशाला ट्रस्ट के सेवाभावी प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि गौ सेवा ही सबसे बड़ी सेवा है। हमारी सनातन परंपरा में गौ माता को विशेष स्थान प्राप्त है। गौवंश की सेवा, संरक्षण और उनके स्वास्थ्य की देखभाल के लिए किए जाने वाले ऐसे प्रयास समाज में सेवा, संवेदना और करुणा की भावना को मजबूत करते हैं। उन्होंने कहा कि चक्रधर गौशाला ट्रस्ट द्वारा स्थापित यह गौ चिकित्सालय गौवंश के उपचार और देखभाल की दिशा में एक सराहनीय पहल है। इससे बीमार एवं जरूरतमंद गौवंश को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने में सहायता मिलेगी। वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि सेवा के ऐसे छोटे-छोटे प्रयास ही हमारी सनातन परंपराओं को जीवंत बनाए रखते हैं। गौ सेवा के प्रति समाज की सहभागिता और समर्पण भाव हमारी सांस्कृतिक विरासत को और अधिक सशक्त बनाते हैं। उन्होंने इस पुनीत कार्य से जुड़े सभी गौ सेवकों एवं ट्रस्ट के सदस्यों को शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री साय ने भारत-जिम्बाब्वे महिला टी-20 का लिया आनंद

अंतरराष्ट्रीय महिला क्रिकेट की ऐतिहासिक श्रृंखला से प्रदेश की बेटियों को मिलेगी नई प्रेरणा : मुख्यमंत्री साय

श्रीकंचनपथ समाचार



रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ के लिए यह गौरव और हर्ष का अवसर है कि नवा रायपुर स्थित शहीद वीर नारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में भारत और जिम्बाब्वे की महिला क्रिकेट टीमों के बीच तीन टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की श्रृंखला का आयोजन किया गया है। छत्तीसगढ़ की धरती पर पहली बार अंतरराष्ट्रीय महिला क्रिकेट श्रृंखला का आयोजन प्रदेश के खेल इतिहास में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। भारत और जिम्बाब्वे की महिला क्रिकेट टीमों के बीच पहली द्विपक्षीय श्रृंखला की शुरुआत छत्तीसगढ़ से होना इस अवसर को और भी ऐतिहासिक बनाता है।

मुख्यमंत्री श्री साय नवा रायपुर स्थित शहीद वीर नारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम पहुंचे और भारत-जिम्बाब्वे महिला टी-20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के तीसरे मुकाबले का आनंद लिया। उन्होंने दोनों देशों की महिला क्रिकेट टीमों के खिलाड़ियों का छत्तीसगढ़ की धरती पर आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया तथा उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा और परिश्रम से पहचान बनाने वाली महिला खिलाड़ी देश की करोड़ों बेटियों के लिए प्रेरणा हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि नवा रायपुर में पहली बार अंतरराष्ट्रीय महिला क्रिकेट मैचों का आयोजन खेलों के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ की बढ़ती भूमिका का प्रमाण है। यह केवल एक क्रिकेट श्रृंखला नहीं, बल्कि प्रदेश की बेटियों को बड़े सपने देखने और उन्हें पूरा करने के लिए प्रेरित करने वाला अवसर भी है। हमारी बेटियां जब विश्वस्तरीय खिलाड़ियों को अपने सामने खेलते हुए देखेंगी, तो उनमें भी खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने और छत्तीसगढ़ तथा देश का नाम रोशन करने का आत्मविश्वास बढ़ेगा।

उन्होंने कहा कि इस ऐतिहासिक श्रृंखला के अवसर पर माताओं, बहनों और बेटियों के लिए स्टेडियम में निःशुल्क प्रवेश की व्यवस्था की गई है। इसके पीछे उद्देश्य अधिक से अधिक महिलाओं और बालिकाओं को खेलों से जोड़ना और उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर की महिला खिलाड़ियों के प्रदर्शन को प्रत्यक्ष देखने का अवसर उपलब्ध कराना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि महिलाओं की भागीदारी केवल खेल मैदान तक सीमित नहीं है, बल्कि आज हमारी बेटियां प्रत्येक क्षेत्र में अपनी प्रतिभा और सामर्थ्य से देश का गौरव बढ़ा रही हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ में खेलों के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करने और खिलाड़ियों को बेहतर अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में राज्य सरकार निरंतर कार्य कर रही है। खेल अधोसंरचना के विस्तार के साथ प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को प्रशिक्षण, संसाधन और प्रतिस्पर्धा के बेहतर अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। हमारा प्रयास है कि छत्तीसगढ़ की प्रतिभाओं को अपने ही प्रदेश में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की खेल संस्कृति से जुड़ने का अवसर मिले।

उन्होंने कहा कि शहीद वीर नारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम छत्तीसगढ़ की महत्वपूर्ण खेल अधोसंरचना है। राज्य सरकार द्वारा स्टेडियम को छत्तीसगढ़ स्टेड क्रिकेट संघ की लीज पर दिए जाने से यहां नियमित रूप से राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर की क्रिकेट प्रतियोगिताओं के आयोजन का मार्ग प्रशस्त हुआ है। इससे न केवल प्रदेश के क्रिकेट प्रेमियों को विश्वस्तरीय मुकाबले देखने का अवसर मिल रहा है, बल्कि छत्तीसगढ़ में खेलों के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करने और खिलाड़ियों को बेहतर अवसर प्राप्त हो रहा है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि बीते समय में नवा रायपुर में न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के विरुद्ध अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मुकाबलों का सफल आयोजन किया गया। राज्य सरकार की विशेष पहल पर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के दो आईपीएल मुकाबलों का भी सफल आयोजन हुआ। अब भारत-जिम्बाब्वे महिला टी-20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के आयोजन ने छत्तीसगढ़ को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक और कदम आगे बढ़ाया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बड़े खेल आयोजन किसी प्रदेश की खेल संस्कृति को मजबूत करने के साथ उसकी अर्थव्यवस्था और पहचान को भी नई ऊर्जा देते हैं। देश-दुनिया से खिलाड़ी, खेल अधिकारी और दर्शक जब छत्तीसगढ़ आते हैं, तो इससे पर्यटन, होटल व्यवसाय, परिवहन, स्थानीय व्यापार और सेवा क्षेत्र में आर्थिक गतिविधियां बढ़ती हैं। ऐसे लेने का अवसर प्राप्त हो रहा है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि बीते समय में नवा रायपुर में न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के विरुद्ध अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मुकाबलों का सफल आयोजन किया गया। राज्य सरकार की विशेष पहल पर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के दो आईपीएल मुकाबलों का भी सफल आयोजन हुआ। अब भारत-जिम्बाब्वे महिला टी-20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के आयोजन ने छत्तीसगढ़ को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक और कदम आगे बढ़ाया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बड़े खेल आयोजन किसी प्रदेश की खेल संस्कृति को मजबूत करने के साथ उसकी अर्थव्यवस्था और पहचान को भी नई ऊर्जा देते हैं। देश-दुनिया से खिलाड़ी, खेल अधिकारी और दर्शक जब छत्तीसगढ़ आते हैं, तो इससे पर्यटन, होटल व्यवसाय, परिवहन, स्थानीय व्यापार और सेवा क्षेत्र में आर्थिक गतिविधियां बढ़ती हैं। ऐसे

आयोजनों के माध्यम से स्थानीय स्तर पर रोजगार और आजीविका के नए अवसर भी सृजित होते हैं।

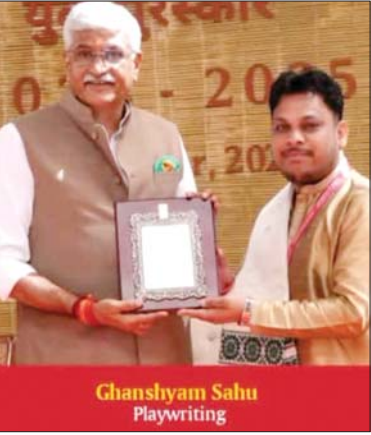
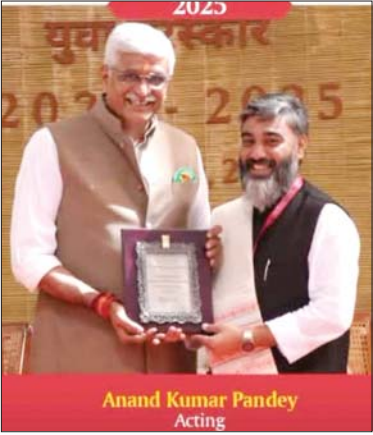
उन्होंने कहा कि नवा रायपुर तेजी से आधुनिक अधोसंरचना और राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुविधाओं से युक्त शहर के रूप में विकसित हो रहा है। राज्य सरकार का लक्ष्य नवा रायपुर को केवल एक आधुनिक और सुव्यवस्थित राजधानी के रूप में विकसित करना नहीं, बल्कि इसे देश के प्रमुख स्पोर्ट्स एवं इवेंट डेस्टिनेशन के रूप में भी नई पहचान दिलाना है। इसके लिए आधुनिक खेल सुविधाओं का विस्तार, मौजूदा अधोसंरचना का बेहतर उपयोग और राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय आयोजनों को निरंतर प्रोत्साहित किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में खेलों और खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए एक सकारात्मक वातावरण बना है। खेलों में भारत की बेटियां लगातार शानदार उपलब्धियां हासिल कर रही हैं और विश्व मंच पर तिरंगे का मान बढ़ा रही हैं। छत्तीसगढ़ सरकार भी इसी भावना के अनुरूप प्रदेश में खेल प्रतिभाओं को पहचानने, तराशने और आगे बढ़ने के लिए बेहतर मंच उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने भारत और जिम्बाब्वे की महिला क्रिकेट टीमों के सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह श्रृंखला उत्कृष्ट खेल भावना, स्वस्थ प्रतिस्पर्धा और दोनों देशों के बीच मैत्री का यादगार उदाहरण बनेगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि नवा रायपुर में आयोजित यह ऐतिहासिक श्रृंखला प्रदेश की नई पीढ़ी, विशेषकर बेटियों को खेलों से जुड़ने की प्रेरणा देगी और छत्तीसगढ़ के खेल इतिहास में एक गौरवपूर्ण अध्याय के रूप में दर्ज होगी। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ स्टेड क्रिकेट संघ एवं भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के पदाधिकारी, खेल जगत से जुड़े प्रतिनिधि, अधिकारी तथा बड़ी संख्या में क्रिकेट प्रेमी उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ के डॉ पांडेय और घनश्याम को संगीत नाटक अकादमी का उस्ताद बिस्मिल्लाह खान युवा पुरस्कार

श्रीकंचनपथ समाचार



रायपुर। संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने नई दिल्ली में आयोजित समारोह में प्रदेश के दो प्रतिभाशाली कलाकार रंगमंच में योगदान के लिए जशपुर के डॉ. आनन्द पाण्डेय एवं विशिष्ट नाट्य लेखन एवं छत्तीसगढ़ी फिल्मों में प्रभावशाली पटकथा लेखन के लिए सारंगढ़ के घनश्याम साहू को संगीत नाटक अकादमी के प्रतिष्ठित उस्ताद बिस्मिल्लाह खान युवा पुरस्कार से सम्मानित किया।

जशपुर में रंगमंच की अलख जगाने वाले डॉ. आनन्द पाण्डेय को उत्कृष्ट अभिनय तथा सारंगढ़ के घनश्याम साहू को विशिष्ट नाट्य लेखन एवं छत्तीसगढ़ी फिल्मों में प्रभावशाली पटकथा लेखन के लिए यह राष्ट्रीय सम्मान प्राप्त हुआ है।

छत्तीसगढ़ के वनांचलों और छोटे कस्बों से निकलकर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित करने वाले इन कलाकारों की सफलता इस बात का प्रमाण है कि प्रतिभा और सृजनशीलता किसी भी भौगोलिक सीमा को मोहताज नहीं होती। कला के प्रति समर्पण, निरंतर साधना और रचनात्मक प्रतिबद्धता के बल पर प्रदेश के कलाकार राष्ट्रीय सांस्कृतिक परिदृश्य में अपनी प्रभावशाली उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं।

छत्तीसगढ़ के सुदूर आदिवासी अंचल जशपुर में रंगमंच की परंपरा को आगे बढ़ाने और अभिनय के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित करने वाले डॉ. आनन्द पाण्डेय को उत्कृष्ट अभिनय के लिए प्रतिष्ठित उस्ताद बिस्मिल्लाह खान युवा पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। उनकी यह उपलब्धि जशपुर सहित पूरे सरगुजा अंचल और छत्तीसगढ़ के रंगमंच से जुड़े कलाकारों के लिए प्रेरणादायी है।

सारंगढ़ के प्रतिभाशाली लेखक घनश्याम साहू को उनके विशिष्ट नाट्य लेखन और छत्तीसगढ़ी फिल्मों में उत्कृष्ट पटकथा लेखन के लिए राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया गया है। उनकी यह उपलब्धि प्रदेश की साहित्यिक, नाट्य और सिनेमाई रचनात्मकता के लिए महत्वपूर्ण है।

नाट्य लेखन और पटकथा लेखन किसी भी रंगमंचीय प्रस्तुति अथवा फिल्म की आत्मा होते हैं। प्रभावशाली कथानक, संवेदनशील संवाद और सामाजिक जीवन से जुड़े विषयों को रचनात्मक अभिव्यक्ति

प्रदान करने में लेखकों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। श्री साहू को मिला यह सम्मान छत्तीसगढ़ी भाषा, साहित्य और सिनेमा के क्षेत्र में कार्यरत रचनाकारों के लिए उत्साहवर्धक है।

लोककला, लोकनाट्य, संगीत, नृत्य, साहित्य और रंगमंच को समृद्ध विरासत वाला छत्तीसगढ़ अपनी विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान के लिए जाना जाता है। यहां की लोक परंपराएं, जनजीवन, बोलियां और सामाजिक संवेदनाएं कलाकारों को सृजन की व्यापक संभावनाएं प्रदान करती हैं। ऐसे में प्रदेश के कलाकारों को राष्ट्रीय स्तर पर मिलने वाली पहचान नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़कर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती है।

प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने डॉ. पाण्डेय और श्री साहू को प्रतिष्ठित राष्ट्रीय सम्मान प्राप्त होने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। श्री अग्रवाल ने कहा कि छत्तीसगढ़ की धरती कला, संस्कृति और सृजनशीलता की अनमोल विरासत से समृद्ध है। सुदूर वनांचलों और छोटे कस्बों से निकलकर कलाकारों का राष्ट्रीय मंच पर सम्मानित होना पूरे छत्तीसगढ़ के लिए गर्व और गौरव का विषय है।

खैरागढ़ के नवीन सर्किट हाउस में 3.04 करोड़ से विकसित होंगी आतिथ्य सुविधाएं

श्रीकंचनपथ समाचार



खैरागढ़। जिला मुख्यालय खैरागढ़ में नवीन सर्किट हाउस का निर्माण प्रशासनिक अधोसंरचना और शासकीय आतिथ्य सुविधाओं के विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इसके निर्माण के लिए 3 करोड़ 4 लाख 27 हजार रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। भवन की नींव का कार्य पूर्ण हो चुका है तथा वर्तमान में प्लिथ निर्माण का कार्य प्रगति पर है। विभागीय प्रगति विवरण के अनुसार निर्माण मार्च 2027 तक पूर्ण होना संभावित है।

जिला मुख्यालय में निरीक्षण, समीक्षा बैठकों और अधिकारियों एवं अतिथियों का आगमन होता है। ऐसे में उठरने की सुव्यवस्थित सुविधा प्रशासनिक व्यवस्थाओं का आवश्यक हिस्सा होती है। नवीन सर्किट हाउस तैयार होने से खैरागढ़ में शासकीय प्रवास पर आने वाले अतिथियों और अधिकारियों के लिए उपलब्ध आवासीय सुविधाओं का विस्तार होगा। इससे प्रवास संबंधी व्यवस्थाओं को सुचारु बनाने में सहायता मिलेगी।

सर्किट हाउस निर्माण के लिए 8 सितंबर 2025 को प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई थी। निर्माण एजेंसी जैन कंस्ट्रक्शन, बालोद को 24 जून 2026 को कार्यदिश जारी किया गया। अनुबंध के अनुसार निर्माण पूर्ण करने के लिए नौ माह की अवधि निर्धारित है। कार्य पूर्ण करने की निर्धारित तिथि 24 मार्च 2027 है। भवन की नींव का कार्य पूरा होने के बाद प्लिथ निर्माण की प्रगति परियोजना को अगले चरण की ओर ले जा रही है। नींव और प्लिथ भवन की संरचना के महत्वपूर्ण आधार होते हैं। इन चरणों के बाद आगे का निर्माण बढ़ने के साथ नवीन सर्किट हाउस का स्वरूप स्पष्ट होगा। खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिला मुख्यालय में प्रशासनिक आवश्यकताओं के अनुरूप सुविधाओं का विकास स्थानीय व्यवस्थाओं को मजबूत करने में सहायक है। सर्किट हाउस का निर्माण इसी आवश्यकता से जुड़ी परियोजना है। इसका उपयोग शासकीय प्रवास के दौरान उठरने की व्यवस्था के लिए हो सकेगा और जिला मुख्यालय में एक अतिरिक्त संस्थागत सुविधा उपलब्ध होगी।

निर्धारित समयसीमा के अनुरूप कार्य पूर्ण होने पर खैरागढ़ को मार्च 2027 तक नवीन सर्किट हाउस भवन मिलने की संभावना है। भवन का निर्माण पूरा होने से जिला मुख्यालय की आतिथ्य व्यवस्था को मजबूती मिलेगी तथा शासकीय प्रवास की आवश्यकताओं को पूरा करने में सुविधा होगी।

वित्त मंत्री चौधरी ने रायगढ़ में किया रावण दहन, दी शुभकामनाएं

- प्रभु श्रीराम के आदर्शों को जीवन में अपनाने का किया आह्वान
- स्टेशन चौक युवा समिति द्वारा आयोजित रावण दहन कार्यक्रम में हुए शामिल

श्रीकंचनपथ समाचार



रायपुर। विजयादशमी के पावन अवसर पर प्रदेश के वित्त मंत्री एवं रायगढ़ विधायक ओ.पी. चौधरी ने रायगढ़ के नटवर स्कूल में स्टेशन चौक युवा समिति द्वारा आयोजित रावण दहन कार्यक्रम में शामिल होकर अधर्म और बुराई के प्रतीक रावण के पुतले का दहन किया। इस अवसर पर उन्होंने समस्त प्रदेशवासियों को विजयादशमी की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए सभी के जीवन में सुख, शान्ति, समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि विजयादशमी भारतीय संस्कृति और सनातन

परंपरा का एक महत्वपूर्ण पर्व है, जो हमें सत्य, धर्म और न्याय के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। आज पूरा भारतवर्ष इस पर्व को घर-घर, गली-गली और मोहल्ले-मोहल्ले में उत्साह और उल्लास के साथ मना रहा है। यह पर्व केवल बुराई पर अच्छाई की विजय का उत्सव नहीं, बल्कि हमारे जीवन में नैतिक मूल्यों, मर्यादा और सदाचार को

अपनाने का संदेश भी देता है। श्री चौधरी ने कहा कि विजयादशमी हमें यह विश्वास दिलाती है कि परिस्थितियां चाहे कितनी भी कठिन और चुनौतीपूर्ण क्यों न हों, अंततः विजय सत्य, धर्म और न्याय की ही होती है। भगवान श्रीराम का जीवन त्याग, मर्यादा, कर्तव्यनिष्ठा और आदर्श आचरण का अनुपम उदाहरण है। उनके



आदर्श आज भी समाज को सही दिशा में आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। वित्त मंत्री श्री चौधरी ने प्रदेशवासियों से आह्वान किया कि विजयादशमी के इस पावन अवसर पर हम सभी प्रभु श्रीराम के आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करने का संकल्प लें। समाज में अच्छाई, एकता, भाईचारे और सद्भाव की भावना को मजबूत करें तथा प्रदेश की सुख-समृद्धि और विकास में अपना योगदान दें।

रायगढ़ के नटवर स्कूल में आयोजित रावण दहन कार्यक्रम में बड़ी संख्या में नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान विजयादशमी पर्व को लेकर श्रद्धा, उत्साह और उल्लास का वातावरण रहा।

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में

COMPLETE FAMILY SALON

हेयर स्प्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी

पहले बाद में

JATU'Z
CUT N SHINE
93009-11331

रंगोली वेल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रॉनिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

GST NO. 22AHMPB9621P1Z2
PH.: 0748-4060131

अनुप ट्रेडर्स
ऑर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
लिंक रोड, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई
मो. 09826389666, 8839749539

●●●●

●●●●●

●●●●●

●●●●●

●●●●●



बॉलीवुड डेब्यू को लेकर नर्वस हैं ईशा मालवीय

बोलीं-आउटसाइडर को मौका मिलना मेरे लिए बड़ी बात

छोटे पर्दे पर अपनी पहचान बनाने के बाद अब एक्ट्रेस ईशा मालवीय बड़े पर्दे पर अपनी नई पारी शुरू करने जा रही हैं। फिल्म तुम मेरे हो से बॉलीवुड में डेब्यू करने को लेकर ईशा काफी एक्साइटेड हैं। हालांकि, पहली फिल्म को लेकर उनके मन में घबराहट भी है लेकिन वह इस मौके को लेकर ज्यादा खुश हैं।

एक्ट्रेस का कहना है कि एक आउटसाइडर होने के बावजूद उन्हें बड़े पर्दे पर काम करने का मौका मिला है, जो उनके लिए किसी सपने के सच होने जैसा है। ईशा मालवीय ने कहा, पहली फिल्म होने की वजह से मैं नर्वस हूँ और मुझे डर भी लग रहा है लेकिन मेरी खुशी नर्वस होने से कहीं ज्यादा है। एक आउटसाइडर के तौर पर बड़े पर्दे तक पहुँचना मेरे लिए बड़ी बात है। मैं इस मौके को लेकर काफी एक्साइटेड हूँ और अपनी फिल्म को दर्शकों के सामने लाने का इंतजार कर रही हूँ।

ईशा मालवीय ने कहा, मैं खुद को बहुत खुशकिस्मत मानती हूँ। मुझे लगता है कि अब तक मैंने जो मेहनत की

है, जिंदगी में जिन मुश्किलों का सामना किया है और मुझे यहाँ तक पहुँचाने के लिए मेरे माता-पिता ने जो परेशानियाँ झेली हैं, उन सबका नतीजा अब सामने आ रहा है। मैं फिल्म तुम मेरे हो से बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रही हूँ। इसके लिए मैं बहुत खुश हूँ।

ईशा ने कहा, मेरे लिए अभी भी इस बात पर यकीन करना आसान नहीं है कि मैं सच में बॉलीवुड फिल्म का हिस्सा बन गई हूँ। मुझे कई बार ऐसा लगता है, जैसे मैं कोई सपना देख रही हूँ। हालाँकि, जब मैं फिल्म से जुड़े लोगों को अपने साथ देखती हूँ, तो मुझे इस बात का एहसास होता है कि मेरा सपना अब हकीकत बन रहा है। यह मेरे लिए अनुभव काफी खास है और मैं इस नए

सफर को लेकर उत्साहित हूँ।

अपनी फिल्म तुम मेरे हो को लेकर ईशा ने कहा, मुझे उम्मीद है कि यह उन दर्शकों को पसंद आएगी, जो पर्दे पर एक सिंपल लव स्टोरी देखना चाहते हैं। हम दर्शक के तौर पर अक्सर शिकायत करते हैं कि अच्छी फिल्में नहीं आ रही हैं। फिल्मों में बहुत हिंसा और खून-खराबा है। रोमांस कहाँ है? एक सिंपल लव स्टोरी कहाँ है? इसलिए हम आपके लिए तुम मेरे हो लेकर आए हैं।

फिल्म तुम मेरे हो में ईशा मालवीय के साथ एक्टर गुरमीत चौधरी भी नजर आएंगे। आशीष पांडा के डायरेक्शन में बनी यह म्यूजिकल फिल्म 23 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

अभिनेता जैकी श्राफ और शरद केलकर की आगामी ग्रामीण पृष्ठभूमि पर आधारित डरावनी फिल्म ‘काली खेती’ की रिलीज तारीख आगे बढ़ा दी गई है। पहले यह फिल्म 23 अक्टूबर, 2026 को सिनेमाघरों में प्रदर्शित होने वाली थी, लेकिन अब दर्शकों को इसके लिए थोड़ा और इंतजार करना होगा। निर्माताओं ने नई रिलीज तारीख की घोषणा करते हुए फिल्म से दोनों अभिनेताओं के पहले रूप भी जारी किए हैं। अब यह फिल्म 20 नवंबर, 2026 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

हारिस इम्टियाज खान के लेखन और निर्देशन में बनी ‘काली खेती’ ग्रामीण जीवन और कृषि को डरावने तथा रहस्यमयी अंदाज में प्रस्तुत करने का प्रयास करेगी। फिल्म की कहानी गांव की पृष्ठभूमि में रची गई है, जहाँ खेती-किसानी से जुड़े

जैकी श्राफ और शरद केलकर की ‘काली खेती’ की बदली रिलीज तारीख अब 20 नवंबर को होगी प्रदर्शित



परिवेश को भय और रहस्य के साथ जोड़ा गया है। फिल्म के जारी किए गए पोस्टर में जैकी श्राफ का अधूरा और डरावना रूप

दिखाई दे रहा है। वहीं, शरद केलकर गंभीर और आक्रामक अंदाज में नजर आ रहे हैं। पोस्टर के साथ इस्तेमाल की गई रहस्यमयी

बाथ टॉवल का इस्तेमाल करने से त्वचा को सुखाने में मदद मिलती है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि बाथ टॉवल को कितने समय तक इस्तेमाल किया जा सकता है? दरअसल, बाथ टॉवल को लंबे समय तक इस्तेमाल करने से उसमें कीटाणु पनपने लगते हैं, जो त्वचा के लिए नुकसानदायक हो सकते हैं। आइए आज हम आपको 5 ऐसे संकेतों के बारे में बताते हैं, जो यह बताते हैं कि आपको अपना बाथ टॉवल बदल लेना चाहिए।

गंध आना

अगर आपके बाथ टॉवल में अजीब गंध आने लगे तो उसे तुरंत बदल दें। गीला बाथ टॉवल एक ऐसी जगह होती है, जहाँ कीटाणु तेजी से बढ़ते हैं, जो त्वचा पर संक्रमण का कारण बन सकते हैं।

इसलिए अगर आपके बाथ टॉवल में अजीब गंध आने लगे तो उसे तुरंत बदल दें।

इसके अलावा इस्तेमाल किए हुए बाथ टॉवल को हमेशा खुली जगह पर सुखाएं ताकि उसमें मौजूद नमी दूर हो जाए और कीटाणु न पनप सकें।

अगर बाथ टॉवल बहुत पतला हो गया हो तो उसे बदलें

अगर आपका बाथ टॉवल बहुत पतला हो गया है तो उसे बदलें। कई बार धोने के

बाद बाथ टॉवल का कपड़ा ढीला और पतला हो जाता है, जिससे वह अपनी नमी को अच्छे से सोख नहीं पाता है। ऐसे बाथ टॉवल से त्वचा पर खरोंच भी आ सकती है, इसलिए अगर आपका बाथ टॉवल बहुत पतला हो गया हो तो उसे बदल लें।

दाग-धब्बे दिखाई दें तो बदलें बाथ टॉवल

अगर आपके बाथ टॉवल पर दाग-धब्बे दिखाई देने लगे तो उसे बदल लें। बाथटॉवल पर साबुन या शैंपू के दाग लगते हैं, जिन्हें धोने से साफ नहीं किया जा सकता है।

अगर आपके बाथ टॉवल पर पसीने या गंदगी के दाग

लगे हैं तो उसे भी बदल लें। इन दागों को साफ करने में काफी समय लग सकता है।

ज्यादा इस्तेमाल के बाद भी नहीं दिख रहा है बदलाव

अगर आप अपने बाथ टॉवल का इस्तेमाल ज्यादा करते हैं और फिर भी उसमें कोई बदलाव नहीं आ रहा है तो उसे बदल लें।

आमतौर पर इस्तेमाल के बाद बाथ टॉवल थोड़ा मुलायम और ज्यादा सोखने वाला हो जाता है।

अगर ऐसा नहीं हो रहा है तो इसका मतलब है कि वह पुराना हो गया है। इसके अलावा अगर बाथ टॉवल ज्यादा गीला रह रहा है तो उसे बदल लें।

ज्यादा समय तक इस्तेमाल करना नहीं है सही

अधिकतर लोग अपने बाथ टॉवल को 2 साल तक इस्तेमाल कर लेते हैं, लेकिन विशेषज्ञों के मुताबिक, हर 6-12 महीने में बाथ टॉवल को बदल लेना चाहिए, खासकर अगर आपके बाथ टॉवल पर कोई विशेष धारण जैसे कि रंग, डिजाइन या पैटर्न नहीं है। समय-समय पर अपने बाथ टॉवल को बदलना न केवल आपकी त्वचा बल्कि आपके स्वास्थ्य के लिए भी अच्छा है। इसलिए हर 6-12 महीने में अपने बाथ टॉवल को बदल लें।

क्या बाथ टॉवल बदलने का समय आ गया है? इन 5 संकेतों से लगाएं पता



मां बनने के बाद काम पर लौटें दिव्यांका त्रिपाठी

बोलीं- बाउंस बैक जैसा कुछ नहीं होता

अभिनेत्री दिव्यांका त्रिपाठी इन दिनों पति विवेक दहिया के साथ कपल रियलिटी शो पति पत्नी और पंगा में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने हाल ही में जुड़वा बच्चों के जन्म के बाद काम करने की चुनौतियों पर बात की। अभिनेत्री ने बताया कि बच्चों को कुछ समय के लिए अकेले छोड़ना बहुत मुश्किल हो गया है, क्योंकि वे बड़े हो रहे हैं और अपने आसपास की चीजों को एक्सप्लोर कर रहे हैं। अभिनेत्री ने यह भी बताया कि जैसे-जैसे बच्चे बड़े हो रहे हैं, उनकी देखभाल का अनुभव भी बदल रहा है।

दिव्यांका त्रिपाठी ने कहा, इस स्टेज पर बच्चों को संभालना आसान है, क्योंकि अभी बस वह सोते और खाते हैं लेकिन मुझे पता है कि अब उनके घुटनों के बल चलने का समय आएगा। उन्होंने धीरे-धीरे खुद को आगे बढ़ाना शुरू कर दिया है। मेरे लिए तो उन्हें दो से चार मिनट के लिए भी अकेला छोड़ना मुश्किल है। इसलिए मुझे उन्हें सैट पर भी साथ ले जाना पड़ता है। हालांकि, यह आसान नहीं है। अभिनेत्री ने बताया कि लोगों को इस बात पर भी हैरानी होती है कि वो इतनी जल्दी काम पर कैसे लौट आईं। उन्होंने कहा, मैं हमेशा कहती हूँ कि महिलाएं ऐसे ही बाउंस बैक नहीं कर लेतीं। देखिए, ऐसा बिल्कुल भी नहीं है। भले ही हम एक्ट्रेस कैमरे के सामने हंसती-मुस्कराती दिखती हैं लेकिन शरीर के अंदर दर्द, थकान और दिमाग में कन्फ्यूजन जैसा रहता है।

अभिनेत्री का कहना है कि उन्हें काम पर लौटने की जरूरत नहीं थी लेकिन वे फिर भी लौटें। क्योंकि एक मां के लिए घर पर बैठना भी आसान नहीं और काम करना भी आसान नहीं।

उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि मां बनने के बाद काम पर लौटने को लेकर महिलाओं की तुलना एक-दूसरे से नहीं करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हर किसी की परिस्थितियां अलग होती हैं, इसलिए महिलाओं को किसी और के अनुभव के दबाव में आने के बजाय अपनी जर्नी पर भरोसा करना चाहिए। उन्होंने कहा, मैं ये इसलिए कह रही हूँ ताकि कोई भी एक महिला की तुलना दूसरी से न करे और ये न कहे कि अरे दिव्यांका ने कर लिया। नहीं, ये सबके लिए मुश्किल है। हर कोई अपने हिसाब से काम पर लौटता है। तो आप भी अपनी गति से चलें और मैं भी अपनी गति से चल रही हूँ।

पहला होम जिम बनाने के लिए न खरीदें 12 मशीनें, इन 5 चीजों पर दें ध्यान



जिम के बिना फिटनेस पाना संभव है। इसके लिए आप अपने घर पर होम जिम बना सकते हैं। होम जिम बनाने के लिए आपको 12 मशीनों की जरूरत नहीं होती। कुछ जरूरी सामानों से ही आप अपना होम जिम बना सकते हैं। इससे न केवल आपका समय बचेगा, बल्कि आप अपनी फिटनेस को भी बेहतर बना सकेंगे। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे जरूरी सामानों के बारे में बताते हैं, जो आपके होम जिम के लिए फायदेमंद हो सकते हैं।

योगा मैट

योगा मैट एक जरूरी सामान है, जिसका उपयोग आप योगा, स्ट्रेचिंग या फर्श पर की जाने वाली कसरत के लिए कर सकते हैं।

यह मैट आपके शरीर को आरामदायक महसूस कराने में मदद करता है और फर्श की कठोरता से बचाव करता है।

इसके अलावा यह मैट आपको एक साफ और सुरक्षित जगह प्रदान करता है, जहाँ आप बिना किसी परेशानी के अपनी कसरत कर सकते हैं। योगा मैट के साथ घर पर ही फिटनेस का आनंद ले सकते हैं।

डंबल्स

डंबल्स सबसे जरूरी उपकरणों में से एक हैं, जिनका उपयोग आप अलग-अलग प्रकार की कसरत के लिए कर

सकते हैं।

डंबल्स से आप अपनी मांसपेशियों को मजबूत कर सकते हैं और शरीर को ताकत बढ़ा सकते हैं। ये छोटे होते हैं और इन्हें संभालना आसान होता है, जिससे आप घर पर ही आराम से कसरत कर सकते हैं।

डंबल्स का उपयोग करके आप कई प्रकार की कसरत कर सकते हैं, जैसे बाइसेप कर्ल, ट्राइसेप एक्सटेंशन, शोल्डर प्रेस आदि।

कूदने वाली रस्सी

कूदने वाली रस्सी एक सरल लेकिन असरदार उपकरण है, जिससे आप दिल की सेहत और फिटनेस प्राप्त कर सकते हैं। इससे आपका दिल स्वस्थ रहता है और आपका वजन नियंत्रित रहता है।

कूदने वाली रस्सी का उपयोग करने से आपकी धड़कनें तेज होती हैं, जिससे आपका शरीर ऊर्जा से भरपूर रहता है। यह उपकरण हर उम्र के लोगों के लिए उपयुक्त है और इसे कहीं भी ले जाना आसान होता है।

एक्ससाइज बॉल

एक्ससाइज बॉल का उपयोग करके आप संतुलन, स्थिरता और ताकत बढ़ा सकते हैं। इससे कई प्रकार की कसरत की जा सकती हैं, जो पेट, पीठ और पैरों के लिए फायदेमंद होती हैं। इस बॉल पर बैठने से आपकी मुद्रा सुधरती है और मांसपेशियां पर दबाव कम होता है।

यह बॉल आपके घर के किसी भी कोने में आसानी से फिट हो सकती है और इसका इस्तेमाल करके आप अपनी फिटनेस को एक नया आयाम दे सकते हैं।

योगा ब्लॉक

योगा ब्लॉक का उपयोग करके आप अपनी योगा रूटीन को बेहतर बना सकते हैं। ये ब्लॉक्स आपकी सहायता करते हैं जब आपको किसी मुद्रा को सही तरीके से करने में कठिनाई होती है।

इनसे आपकी कसरत अधिक असरदार होती जाती है। इन 5 जरूरी सामानों की मदद से आप अपने घर पर ही एक बेहतरीन होम जिम बना सकते हैं और फिटनेस का आनंद ले सकते हैं। इनसे न केवल आपका समय बचेगा, बल्कि आपकी फिटनेस भी बेहतर होगी।

खास खबर

गुपचुप-चाट खाने के बाद 7 लोग बीमार, सिम्स में भर्ती

बिलासपुर। बिलासपुर में दुर्गोत्सव घूमने आए परसदा के रहने वाले एक परिवार के 7 लोग गुपचुप और चाट खाने के बाद बीमार पड़ गए। दोपहर करीब 12 बजे तबीयत ज्यादा बिगड़ने पर परिजन उन्हें सिम्स लेकर पहुंचे। बीमारों में बच्चे भी शामिल हैं। अस्पताल प्रबंधन के मुताबिक, सभी की हालत सामान्य है। परिजनों के अनुसार, रविवार रात महेश साहू अपने परिवार के साथ दुर्गा प्रतिमाएं देखने बिलासपुर आए थे। रात करीब 12 बजे उन्होंने सीएमडी कॉलेज के पास एक ठेले पर गुपचुप और चाट खाई। सोमवार सुबह परिवार के सदस्यों को एक-एक कर उल्टी-दस्त होने लगे। कुछ ही समय में 7 लोगों की तबीयत बिगड़ गई। इसके बाद परिजन सभी को इलाज के लिए सिम्स ले आए। सिम्स के अस्पताल अधीक्षक डॉ. लखन सिंह ने बताया कि उल्टी की शिकायत के बाद मरीज अस्पताल पहुंचे थे। सभी को भर्ती कर इलाज किया जा रहा है। उनकी स्थिति ठीक है।

तेज रफ्तार ट्रक अनियंत्रित होकर पलटा, चालक घायल

कोटमी। कोटमी-पेंड्रा मुख्य मार्ग पर सोमवार की रात करीब 10 बजे खुजी नदी पुल के पास सरिया लोड ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया। जानकारी के अनुसार, ट्रक कोटमी से पेंड्रा की ओर जा रहा था। इसी दौरान मोड़ पर तेज रफ्तार के कारण चालक वाहन पर तेज रफ्तार के कारण चालक वाहन पर नियंत्रण खो बैठा। ट्रक सड़क किनारे पेड़ से टकराने के बाद पलट गया। हादसे में ट्रक में लोड सरिया सड़क पर बिखर गया। स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार, दुर्घटना में चालक और परिचालक को गंभीर चोटें आई हैं। हालांकि, हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई। घटना की जानकारी मिलते ही ग्रामीण मौके पर पहुंचे। ट्रक पलटने से कुछ देर तक मार्ग पर आवागमन बाधित रहा। सूचना मिलने पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कोरबा में आईटीआई छात्र ने की खुदकुशी, पुलिस जांच में जुटी

कोरबा। कोरबा जिले के उरगा थाना क्षेत्र के सलिहाभांटा गांव में 19 वर्षीय आईटीआई छात्र इंद्रजीत महतो की मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, छात्र ने अपने घर में फांसी लगाकर जान दी। मृतक के पिता दिलीप कुमार महतो ने बेटे के साथ रहने वाले युवक राजेश्वर पर मानसिक रूप से प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है। इंद्रजीत ने कतलमा में आईटीआई के इलेक्ट्रिशियन ट्रेड में प्रवेश लिया था। घर से आना-जाना करता था, लेकिन बस नहीं मिलने की परेशानी के कारण उसे गांव के ही राजेश्वर नाम के युवक के साथ रहने के लिए भेज दिया गया था। इंद्रजीत फोन पर उनसे कहता था कि राजेश्वर उसे मानसिक रूप से परेशान करता है और गाली-गलौज करता है। उरगा पुलिस ने मर्ग कायम किया और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

सड़क दुर्घटना में दो युवकों की मौत, गुस्साए ग्रामीणों ने बाईपास मार्ग पर किया चक्काजाम

श्रीकंचनपथ न्यूज

कांकेर। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में नंदनमारा के पास मंगलवार रात सड़क दुर्घटना में दो युवकों की मौत हो गई। नाराज ग्रामीणों ने बुधवार सुबह बाईपास मार्ग पर चक्काजाम कर दिया है। उनकी मांग है कि बाईपास मार्ग पर लाइट, स्पीड ब्रेकर और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाएं, ताकि भविष्य में इस तरह के हादसों को रोका जा सके।

चक्काजाम के कारण मार्ग पर आवागमन प्रभावित होने की स्थिति बन गई है। सूचना मिलने पर प्रशासनिक अधिकारी और पुलिस बल मौके पर पहुंचे। कोतवाली थाना क्षेत्र के नंदनमारा में बीती रात हुए सड़क हादसे में दो युवकों की मौत हो गई। दोनों मृतक नंदनमारा के निवासी थे। अपनी मांगो को लेकर बुधवार सुबह ग्रामीणों ने बाईपास मार्ग पर चक्काजाम कर दिया है, इसमें महिलाएं और बच्ची भी शामिल हैं। उनका कहना है कि जब तक उनकी मांगों पर ठोस कार्रवाई नहीं



होती, तब तक चक्काजाम जारी रहेगा।

घटना की जानकारी मिलने के बाद प्रशासन और पुलिस के अधिकारी मौके पर पहुंचे। दो युवकों की मौत के बाद बाईपास मार्ग की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल उठ रहे हैं। ग्रामीणों की मांग है कि संबंधित विभाग मार्ग का निरीक्षण कर जरूरी सुधार करे, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। काफी समाझड़ के बाद एसडीएम भी मौके पर पहुंचे। उनके लिखित आश्वासन के बाद ग्रामीणों ने धरना-प्रदर्शन समाप्त किया। प्रभावित यातायात को बहाल करने के प्रयास शुरू कर दिए गए हैं।

गोधना में पेड़ पर लटका मिला युवक का शव

गोधना। ग्राम कुकदा निवासी विजय कश्यप (28), पिता कृष्णो कश्यप का शव सेमरहा तालाब के पास एक पेड़ पर लटका मिला। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। युवक की मौत से परिवार और गांव में शोक का माहौल है। जानकारी के अनुसार घटना से पहले विजय ने सोशल मीडिया पर माता-पिता के नाम एक संदेश पोस्ट किया था। इसमें उसने माता-पिता से माफी मांगते हुए उनका ख्याल रखने की बात लिखी थी। पुलिस इस संदेश सहित घटना से जुड़े अन्य तथ्यों की जांच कर रही है। विजय की मौत के कारणों का अभी पता नहीं चला है। पुलिस घटना से जुड़ी परिस्थितियों की जानकारी जुटा रही है। जांच के बाद ही मौत के कारणों की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।



6 महीने की बेटी को दो बार जमीन पर पटका, पत्नी के मायके जाने पर विवाद

एम्स में वेंटिलेटर पर इलाज जारी, आरोपी पिता गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर में पिता ने गुस्से में अपनी 6 महीने की बेटी को दो बार जमीन पर पटक दिया। बच्ची के सिर में गंभीर चोट आई है। उसे इलाज के लिए एम्स में भर्ती कराया गया है, जहां वेंटिलेटर पर उसका इलाज चल रहा है।

डॉक्टरों के मुताबिक, बच्ची की हालत गंभीर है। घटना पत्नी के मायके जाने की बात पर पति-पत्नी के बीच हुए विवाद के बाद हुई। पुलिस ने आरोपी पिता को गिरफ्तार कर लिया है। घटना सरस्वती नगर थाना क्षेत्र की है।

पत्नी के मायके जाने पर हुआ विवाद

पुलिस के मुताबिक, आरोपी आशीष कावरिया की उम्र करीब 20 साल है। वह पत्नी और बेटी के साथ बीएसयूपी कॉलोनी में रहता था। दोनों ने आपसी



सहमति से अंतरजातीय विवाह किया था। शादी के बाद से ही उनके बीच अक्सर विवाद होता रहता था।

14 अक्टूबर को पत्नी अपने मायके चली गई थी। इसके बाद रात में आरोपी उसे लेने ससुराल पहुंचा। पत्नी को वापस घर ले जाने की बात पर दोनों के बीच विवाद हो गया। पुलिस के अनुसार, पत्नी के मायके जाने से आरोपी नाराज था।

गुस्से में बेटी को दो बार जमीन पर पटका

विवाद के दौरान आरोपी ने अपनी 6 महीने की बेटी को उठाकर जमीन पर पटक दिया। इसके बाद भी वह नहीं रुका और बच्ची को दोबारा जमीन पर पटक दिया। इससे उसके सिर में गंभीर चोट आई और हालत बिगड़ गई।

बिलासपुर के प्रयास स्कूल का बैंक खाता बना मूल अकाउंट

डायरेक्टर का कोलकाता में हुआ मोबाइल गुम, 1.12 करोड़ का लेनदेन, कई खातों में ट्रांसफर हुई रकम

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर के प्रयास स्कूल के बैंक खाता को मूल अकाउंट बनाकर 1.12 करोड़ रुपए लेनदेन करने का मामला सामने आया है। स्कूल के डायरेक्टर के कोलकाता में गुम मोबाइल से साइबर ठगों ने इस तरह की जालसाजी की है।

बैंक खाते में एक ही दिन में खाते में करोड़ों रुपए का लेनदेन कर 100 से ज्यादा बैंक खातों में रकम ट्रांसफर किया गया है। इस मामले की शिकायत पर सरकंडा पुलिस ने केस दर्ज कर डायरी कोलकाता भेज दी है। राजकिशोर नगर निवासी डॉ. सचिन यादव प्रयास पब्लिक स्कूल के संचालक हैं। उन्होंने पुलिस को बताया कि 10 अगस्त को वह कोलकाता गए थे। जहां न्यू मार्केट थाना क्षेत्र के धरमतला के पास उनका जियो सिम लगा मोबाइल गुम हो गया। काफी तलाश के बाद भी मोबाइल नहीं मिला।

जिस पर उन्होंने बैंक खातों को फ्रीज कराने की कार्रवाई की और जियो सेवा केंद्र पहुंचकर



सिम बंद कराने की कोशिश की, लेकिन पहचान संबंधी दस्तावेज नहीं होने के कारण सिम तत्काल बंद नहीं हो सका।

16 अगस्त को उन्होंने पुराना नंबर दोबारा जारी कराया। अगले दिन ईमेल चेक करने पर खाते में संदिग्ध लेनदेन का पता चला। स्कूल का ICICI बैंक खाता इसी मोबाइल नंबर से जुड़ा था। शिकायत के मुताबिक, ठगों ने 14 अगस्त को पहले 800 रुपए का ट्रायल ट्रांजेक्शन किया। इसके बाद खाते में 1.12 करोड़ रुपए का लेनदेन कर रकम 100 से ज्यादा बैंक खातों में भेज दी।

कोलकाता से लौटने के बाद स्कूल संचालक ने नया सिम लेकर मोबाइल चालू कराया। तब पता चला कि गुम मोबाइल नंबर से स्कूल के

आईसीआईसीआई बैंक के राजकिशोर नगर ब्रांच के खाते से लिंक था। साइबर ठगों ने इसी नंबर और खाते का एक्सेस लेकर 14 अगस्त को मूल अकाउंट के रूप में इस्तेमाल किया।

स्कूल के डायरेक्टर के अनुसार, इस पूरे फर्जीवाड़े से पहले स्कूल के बैंक खाते में महज 181 रुपये शेष थे। जालसाजों ने इसे मनी लॉन्ड्रिंग और ठगी की रकम खपाने के लिए मूल अकाउंट के रूप में इस्तेमाल किया और पूरी रकम बाहर निकालने के बाद खाते में केवल 29 रुपये छोड़े।

मोबाइल गुम हुआ तो सिम तुरंत ब्लॉक कराए

एएसपी सिटी पंकज पटेल ने बताया कि मोबाइल गुम होने पर तुरंत नजदीकी ऑपरेटर सेंटर या कस्टमर केयर से संपर्क कर सिम ब्लॉक कराएं। बैंक से संपर्क कर यूपीआई व नेट बैंकिंग की सुविधा बंद कराएं। साथ ही फोन गुम होने की तत्काल सूचना नजदीकी पुलिस थाने को भी दें। फिलहाल, इस मामले में केस दर्ज कर डायरी कोलकाता भेजी गई है।

शादी का झांसा देकर बॉयफ्रेंड ने किया रेप वीडियो वायरल करने की धमकी, केस दर्ज

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में स्कूल फ्रेंड ने पहले युवती से दोस्ती की, फिर बॉयफ्रेंड बनकर शादी का वादा किया। आरोप है कि बॉयफ्रेंड ने उसके साथ रेप किया। प्रेनैट होने पर अबॉर्शन की दवा खिला दी। इसके अलावा बॉयफ्रेंड ने जरूरत बताकर गर्लफ्रेंड से

पैसे और सोने के गहने भी ले लिए। गर्लफ्रेंड का आरोप है कि अब शादी करने से इनकार कर रहा है और वीडियो वायरल करने की धमकी दे रहा है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि जस्टद ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। मामला सिविल लाइन थाना क्षेत्र का है। जांजीगर जिले की रहने वाली 22 साल की युवती सिविल लाइन क्षेत्र में किराए के मकान में रहती है। वह यहां एक ब्यूटी पालर में काम करती है। युवती मंगला के अभिषेक विहार फेस-1 निवासी विशाल पुरी गोस्वामी को बचपन से जानती थी। दोनों स्कूल फ्रेंड थे। जुलाई 2025 में विशाल ने ही युवती को किराए का मकान दिलवाया था।

पीड़िता ने शिकायत में बताया कि विशाल ने पहले उससे दोस्ती की। फिर प्यार का इजहार कर शादी करने का वादा किया। वह उसकी बातों में आ गई।



इसके बाद दोनों मिलने-जुलने लगे। अगस्त 2025 में एक रात उसकी सहेली घर पर नहीं थी, तभी रात करीब 10 बजे विशाल पुरी उससे मिलने पहुंचा। इस दौरान उसने रेप किया। आरोप है कि विशाल पुरी ने मोबाइल पर उसका अश्लील वीडियो बना लिया था। आरोपी ने शादी का वादा कर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। बाद में वीडियो वायरल करने की धमकी देकर भी उसका यौन शोषण करता रहा।

पीड़िता ने शिकायत में बताया कि आरोपी उससे समय-समय पर पैसे मांगता था। उसने उसे पैसे देने के साथ अपनी सोने की चेन भी रखने के लिए दी थी। मांगने पर आरोपी ने चेन वापस नहीं की। पीड़िता के मुताबिक, लगातार शारीरिक संबंध बनाने से वह गर्भवती हो गई। इसके बाद उसने आरोपी पर शादी करने का दबाव बनाया। इस पर आरोपी ने बाद में शादी करने की बात कही और उसे गर्भपात की दवा लाकर खिला दी। जब उसने दोबारा शादी की बात कही, तो वह मुकर गया।

परेशान पीड़िता ने अपनी मां को पूरी घटना बताई। इसके बाद उसकी मां सोने की चेन वापस मांगने आरोपी के घर पहुंची। वहां आरोपी ने विवाद किया। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने विशाल पुरी गोस्वामी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। फिलहाल आरोपी फरार है। पुलिस उसकी तलाश कर रही है।

Ashok JEWELLERY

Gifts • Toys • Cosmetics
Perfumes • Sisa Jewellery

Beside Parakh Jewellers,
Akash Gangra,
Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727

Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

मिलाने की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान

निखार बैंगल

मो.- 9826186026

Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

बिना लाइसेंस गोदाम में रखे 95 हजार के पटाखे जब मंदिर हसौद पुलिस ने गुजरा गांव में की कार्रवाई विस्फोटक पदार्थ अधिनियम के तहत केस दर्ज



श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर ग्रामीण के गुजरा गांव में पुलिस ने बिना लाइसेंस भंडार कक्ष में रखे करीब 95 हजार रुपए के पटाखे जब्त किए हैं। पुलिस ने यह कार्रवाई 19 अक्टूबर को मिली सूचना के आधार पर की। मौके पर जांच के दौरान पटाखों के भंडारण का वैध लाइसेंस नहीं मिला। मामले में पुलिस ने हरीश साहू (40) के खिलाफ केस दर्ज किया है।

गोदाम में मिले कई तरह के पटाखे

मंदिर हसौद पुलिस के मुताबिक, हरीश साहू के भंडार कक्ष में अलग-अलग तरह के पटाखे रखे थे। इनमें क्लस्टर पाइप,

मल्टीकलर शॉट, साउंडर, सिग्नेचर रॉकेट, मिर्ची बम और अन्य आतिशबाजी सामग्री शामिल है। पुलिस ने इनकी अनुमानित कीमत 95 हजार रुपए बताई है।

बीएनएस और विस्फोटक पदार्थ अधिनियम के तहत केस

पुलिस ने पटाखों को जब्त कर थाना मंदिर हसौद में अपराध क्रमांक 524/2026 दर्ज किया है। आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 288 और विस्फोटक पदार्थ अधिनियम, 1884 की धारा 9बी(1)(बी) के तहत कार्रवाई की गई है।

पुलिस के मुताबिक, अवैध रूप से पटाखे रखने और बेचने वालों के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी।

दशहरा के बाद विवाद, घर घुसकर महिलाओं को डंडे से पीटा

बिलासपुर। बिलासपुर के मंगला में मंगलवार को दशहरा उत्सव के बाद जमकर बवाल हुआ। आपसी रंजिश में मोहल्ले के युवकों ने घर घुसकर महिलाओं को डंडे से जमकर पीटा। गाली-गलौज करते हुए डंडे से जमकर मारपीट की। हलतवरो ने घर के भीतर मौजूद पुरुषों की भी पिटाई कर दी। पड़ोसियों के हस्तक्षेप से किसी तरह बदमाशों को रोका गया।

इस दौरान विवाद सुलझाने का प्रयास कर रही बुजुर्ग महिला के साथ भी मारपीट की गई। हमले में दो महिलाओं और तीन युवकों को चोटें आई हैं। घटना से जुड़ा वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वहीं पीड़ितों पर पुलिस थाना में मामले में समझौता बनाने के लिए दबाव बढ़ाने के आरोप हैं। थाना में उनपर समझौता कर मामले को दबाने के लिए दबाव बनाया गया। हालांकि मारपीट को कार्रवाई के निर्देश दिए। आरोप पर पुलिस ने मारपीट करने वाले युवकों पर अपराध दर्ज कर लिया है। पुलिस वीडियो के आधार पर आरोपियों की पहचान कर आगे की कार्रवाई में जुट गई है। मामले की जांच जारी है।

घर का ताला तोड़कर 8 लाख के गहने चोरी नाबालिग पकड़ाया, बाल संप्रेक्षण भेजा गया



पीछे का दरवाजा तोड़कर घर में घुसा चोर

महिला की शिकायत के मुताबिक, चोर घर की पिछली दीवार फांदकर पीछे के दरवाजे तक पहुंचा। उसने दरवाजे का ताला तोड़कर घर में प्रवेश किया और अलमारी का लॉकर तोड़कर गहने चोरी कर लिए। शिकायत पर आमनाका थाने में अपराध क्रमांक 355/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 331(4) और 305(डु) में केस दर्ज किया गया।

मामले की गंभीरता को देखते हुए डीसीपी पश्चिम जोन रॉबिन्सन गुड़िया, अतिरिक्त डीसीपी राहुल देव शर्मा और एसपी पुरानी बस्ती देवांश सिंह राठौर ने पुलिस टीम को कार्रवाई के निर्देश दिए। टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। महिला और आसपास के लोगों से पूछताछ भी की।

पुलिस के मुताबिक, संदेह के आधार पर एक बिधि से संघर्षरत बालक को पकड़ा गया। पूछताछ में उसने चोरी करना स्वीकार किया। उसकी निशानदेही पर चोरी के गहने बरामद किए गए। वैधानिक कार्रवाई के बाद बालक को बाल संप्रेक्षण गृह भेज दिया गया।

भिलाई मसाला उद्योग

शुद्ध कुटे हुए मसाले, पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि

128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766



खास खबर



वित्त मंत्री ने माँ चंद्रहासिनी देवी से की प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की कामना

रायपुर। वित्त मंत्री एवं रायगढ़ विधायक ओपी चौधरी ने चंद्रपुर स्थित प्रसिद्ध माँ चंद्रहासिनी देवी मंदिर पहुंचकर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। उन्होंने माँ चंद्रहासिनी देवी के चरणों में शीश नवाकर छत्तीसगढ़ की सुख-समृद्धि, शांति, खुशहाली और निरंतर प्रगति की मंगलकामना की। वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि आलौकिक तेज, दिव्य आभा और असीम करुणा से भक्तों के जीवन को आलोकित करने वाली माँ चंद्रहासिनी का पावन धाम छत्तीसगढ़ की समृद्ध धार्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत, आध्यात्मिक चेतना और अटूट आस्था का अनुपम केंद्र है। माँ चंद्रहासिनी देवी के प्रति श्रद्धालुओं की अगाध आस्था हमारी सनातन संस्कृति और गौरवशाली परंपराओं का प्रतीक है। उन्होंने प्रार्थना की कि माँ चंद्रहासिनी देवी की कृपा समस्त प्रदेशवासियों पर सदैव बनी रहे तथा छत्तीसगढ़ विकास, समृद्धि और खुशहाली के पथ पर निरंतर अग्रसर होता रहे।

वित्त मंत्री ने प्रदेशवासियों को दी विजयादशमी की बधाई

रायपुर। प्रदेश के वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने विजयादशमी के पावन अवसर पर समस्त देश एवं प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने इस अवसर पर प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य और खुशहाल जीवन की मंगलकामना की है। वित्त मंत्री ने अपने संदेश में कहा कि यतो धर्मस्ततो जयः अर्थात् जहां धर्म है, वहीं विजय है। विजयादशमी अधर्म पर धर्म, असत्य पर सत्य और अंधकार पर प्रकाश की शाश्वत विजय का प्रतीक है।

रावघाट-रायपुर-कुरुद नई यात्री रेल सेवा को रेल मंत्री वैष्णव एवं मुख्यमंत्री साय ने दिखाई हरी झंडी

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ में रेल कनेक्टिविटी के विस्तार की दिशा में आज एक नया और ऐतिहासिक अध्याय जुड़ गया। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राजधानी रायपुर रेलवे स्टेशन से रावघाट – रायपुर एवं रायपुर – कुरुद नई यात्री रेल सेवाओं को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इसी अवसर पर ताड़ोकी – रावघाट तथा अभनपुर – कुरुद रेलखंडों का लोकार्पण किया गया और रायपुर में आधुनिक इलेक्ट्रिक रेल इंजन मटेनेंस फैसिलिटी की आधारशिला रखी गई।

ताड़ोकी से रावघाट तक रेल लाइन का निर्माण पूरा होने के साथ आजादी के बाद पहली बार रावघाट रेल नेटवर्क से जुड़ गया है। बस्तर और दक्षिण छत्तीसगढ़ के दूरस्थ एवं जनजातीय अंचलों के लिए यह उपलब्धि विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। नई रेल सेवाओं से इन क्षेत्रों का राजधानी रायपुर सहित प्रदेश के अन्य प्रमुख केंद्रों से संपर्क बेहतर होगा तथा आवागमन के साथ व्यापार, उद्योग, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और स्थानीय अर्थव्यवस्था को नई गति मिलेगी।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इस ऐतिहासिक अवसर पर प्रदेशवासियों को बधाई देते हुए कहा कि आदरणीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में रेल अधोसंरचना के विस्तार का अभूतपूर्व दौर चल रहा है। केंद्र और राज्य की डबल इंजन सरकार का प्रयास है कि आधुनिक रेल सुविधाओं का लाभ केवल बड़े शहरों तक सीमित न रहे, बल्कि बस्तर और सरगुजा सहित प्रदेश के दूरस्थ एवं जनजातीय अंचलों तक पहुंचे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि रावघाट तक पहली बार रेल पहुँचना केवल एक रेल परियोजना की पूर्णता नहीं, बल्कि बस्तर के विकास की नई संभावनाओं का द्वार खुलना है। रेल जहाँ पहुँचती है, वहाँ विकास की गति बढ़ती है। इससे लोगों का आवागमन आसान होता है, बाजारों तक पहुँच बढ़ती है, उद्योगों और निवेश को प्रोत्साहन मिलता है तथा युवाओं के लिए रोजगार और आजीविका के नए अवसर निर्मित होते हैं।

उन्होंने कहा कि विजयादशमी के पावन अवसर पर प्रदेश को मिली यह सौगात



छत्तीसगढ़ के लिए विशेष प्रसन्नता और गौरव का विषय है। रावघाट – रायपुर और रायपुर – कुरुद रेल सेवाएँ प्रदेश की कनेक्टिविटी को सुदृढ़ करने के साथ विकास के नए द्वार खोलेंगी।

केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में रेलवे के विकास के लिए बड़े पैमाने पर कार्य किए जा रहे हैं। वर्तमान में प्रदेश में लगभग 54 हजार करोड़ रुपए की रेल विकास परियोजनाओं पर काम चल रहा है। इस वर्ष रेलवे द्वारा छत्तीसगढ़ के लिए 7,470 करोड़ रुपए का बजट आवंटित किया गया है।

उन्होंने कहा कि रावघाट तक रेल संपर्क स्थापित होना और रावघाट – रायपुर तथा रायपुर – कुरुद यात्री रेल सेवाओं की शुरुआत इसी व्यापक विकास यात्रा की महत्वपूर्ण कड़ी है। आने वाले समय में रावघाट से जगदलपुर तक रेल संपर्क विकसित करने की दिशा में भी कार्य किया जा रहा है। इसके साथ ही रावघाट – जगदलपुर – कोरापुट – विशाखापत्तनम रेल संपर्क के विस्तार की दिशा में भी प्रयास किए जा रहे हैं। इससे बस्तर सहित दक्षिण छत्तीसगढ़ की देश के प्रमुख रेल नेटवर्क और आर्थिक केंद्रों से कनेक्टिविटी और सुदृढ़ होगी।

दलीराजहरा – रावघाट रेल परियोजना छत्तीसगढ़ की महत्वपूर्ण रेल परियोजनाओं में

से एक है। लगभग 1,628 करोड़ रुपए की लागत वाली इस परियोजना की कुल लंबाई लगभग 95 किलोमीटर है। ताड़ोकी से रावघाट के बीच 17.5 किलोमीटर रेल लाइन का कार्य पूरा होने के साथ रावघाट तक रेल संपर्क स्थापित हो गया है।

आजादी के बाद पहली बार रावघाट तक रेल पहुँचना बस्तर अंचल के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि है। इस रेल संपर्क के माध्यम से दूरस्थ जनजातीय क्षेत्रों को राजधानी एवं अन्य प्रमुख केंद्रों से जोड़ने का मार्ग और सुदृढ़ हुआ है। इससे स्थानीय नागरिकों को बेहतर यातायात सुविधा मिलने के साथ क्षेत्र की आर्थिक गतिविधियों, पर्यटन, व्यापार एवं औद्योगिक विकास को भी प्रोत्साहन मिलेगा।

अभनपुर – धमतरी गेज परिवर्तन परियोजना के अंतर्गत अभनपुर से कुरुद तक लगभग 22 किलोमीटर रेल लाइन का गेज परिवर्तन पूरा किया गया है। इसके साथ रायपुर से कुरुद के बीच नई यात्री रेल सेवा प्रारंभ होने से इस क्षेत्र की रेल कनेक्टिविटी को नई मजबूती मिली है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि पहले रायपुर और धमतरी के बीच नैरो गेज रेल सेवा संचालित होती थी। अब इस रेलमार्ग को ब्रॉडगेज में परिवर्तित किए जाने से यात्रियों को आधुनिक और बेहतर रेल सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है।

कुरुद से धमतरी तक शेष कार्य पूरा होने के बाद रायपुर से धमतरी तक रेल सेवा के विस्तार का मार्ग और प्रशस्त होगा।

2014 के बाद छत्तीसगढ़ में बिछाई गई 1,328 किमी नई रेल पटरियाँ

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार बनने के बाद छत्तीसगढ़ में रेलवे के विकास की तस्वीर तेजी से बदली है। पूर्ववर्ती सरकार के समय छत्तीसगढ़ को रेलवे विकास के लिए प्रतिवर्ष लगभग 300 करोड़ रुपए का बजट मिलता था, जबकि आज यह बढ़कर सात हजार करोड़ रुपए से अधिक हो गया है। वर्ष 2014 से पहले प्रदेश में लगभग 32 किलोमीटर नई रेल लाइन का विस्तार हुआ था, जबकि वर्ष 2014 के बाद छत्तीसगढ़ में लगभग 1,328 किलोमीटर नई रेल पटरियाँ बिछाई गई हैं। यह परिवर्तन बताता है कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ के रेल विकास को कितनी बड़ी प्राथमिकता मिली है।

छत्तीसगढ़ में 32 रेलवे स्टेशनों का हो रहा विश्वस्तरीय विकास

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ में 32 रेलवे स्टेशनों को आधुनिक और विश्वस्तरीय सुविधाओं से विकसित करने का कार्य किया जा रहा है। इनमें से आठ रेलवे स्टेशन विकसित

होकर तैयार हो चुके हैं। इन स्टेशनों में यात्रियों के लिए आधुनिक सुविधाओं, बेहतर परिसर और सुविधाजनक वातावरण के विकास पर विशेष जोर दिया गया है। उन्होंने कहा कि आधुनिक रेलवे स्टेशन केवल यात्री सुविधाओं का विस्तार नहीं हैं, बल्कि ये संबंधित शहरों में आर्थिक गतिविधियों, व्यापार, पर्यटन और रोजगार को भी बढ़ावा देते हैं। प्रदेश में विकसित हो रही नई रेल अधोसंरचना आने वाले वर्षों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर तैयार की जा रही है।

रायपुर में बनेगी आधुनिक इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव मटेनेंस फैसिलिटी

कार्यक्रम के दौरान रायपुर में आधुनिक इलेक्ट्रिक रेल इंजन मटेनेंस फैसिलिटी की आधारशिला भी रखी गई। इस अत्याधुनिक सुविधा के विकसित होने पर भविष्य में 300 हाई हॉर्सपावर इलेक्ट्रिक रेल इंजनों के रखरखाव की क्षमता विकसित होगी। इससे रेल इंजनों के रखरखाव की व्यवस्था और बेहतर होगी, रेल परिचालन क्षमता बढ़ेगी तथा माल परिवहन की बढ़ती आवश्यकताओं को पूरा करने में सहायता मिलेगी।

नई रेल परियोजनाओं से दूरस्थ अंचलों तक पहुँचेगा विकास

मुख्यमंत्री श्री साय ने छत्तीसगढ़ में रेल नेटवर्क के विस्तार और नई परियोजनाओं की स्वीकृति के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने खरसिया– परमालकसा, रावघाट–जगदलपुर तथा डोंगरगढ़–कटघोरा सहित विभिन्न रेल परियोजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि इन परियोजनाओं से प्रदेश के अनेक क्षेत्रों में रेल संपर्क और मजबूत होगा। मुख्यमंत्री ने रायपुर जिले के पत्थलगांव से लोहरदगा क्षेत्र की ओर रेल संपर्क विस्तार की मांग को विशेष पैरज में शामिल किए जाने के लिए भी केंद्रीय रेल मंत्री के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ भौगोलिक दृष्टि से विशाल प्रदेश है और यहाँ बड़ी जनसंख्या दूरस्थ, वनांचल एवं जनजातीय क्षेत्रों में निवास करती है। ऐसे क्षेत्रों तक रेल नेटवर्क का विस्तार नागरिकों के जीवन में बड़ा परिवर्तन लाने वाला है। विद्यार्थियों, मरीजों के साथ ही किसानों और उत्पादकों को सुविधा मिलेगी।

रायपुर के डबल्यूआरएस कालोनी में विजयादशमी के 50 साल

सत्य, न्याय और मानवता के पक्ष में खड़े रहना ही प्रभु श्रीराम के आदर्शों का वास्तविक अनुसरण :साय

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि विजयादशमी का पर्व केवल बुराई पर अच्छाई की विजय का उत्सव नहीं, बल्कि सत्य, धर्म, न्याय और मानवता के मार्ग पर अडिग रहने का शाश्वत संदेश देने वाला महान सांस्कृतिक पर्व है। प्रभु श्रीराम का जीवन हमें सिखाता है कि सत्य का मार्ग कितना भी कठिन और चुनौतियों से भरा क्यों न हो, अंततः विजय सत्य और धर्म की ही होती है। जीवन में जब भी सही और गलत में से किसी एक पक्ष को चुनने का अवसर आए, हमें सदैव सत्य, न्याय और मानवता के पक्ष में खड़ा होना चाहिए, क्योंकि हम किसके साथ खड़े हैं, यही हमारे चरित्र और संस्कारों की वास्तविक पहचान है।

मुख्यमंत्री श्री साय आज राजधानी रायपुर के ऐतिहासिक डबल्यूआरएस मैदान में आयोजित विजयादशमी महोत्सव को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने हजारों लोगों की उपस्थिति और प्रभु श्रीराम के जयकारों के बीच धनुष-बाण से रावण, कुंभकर्ण और मेघनाद के विशाल पुतलों का दहन किया। इस अवसर पर उन्होंने प्रदेशवासियों को विजयादशमी की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और मंगल की कामना की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि विजयादशमी हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, सामाजिक समरसता और राष्ट्रीय एकता का प्रतीक है। यह पर्व हमें अपनी संस्कृति और परंपराओं से जोड़ने के साथ-साथ समाज में सद्भाव, नैतिकता और मानवीय मूल्यों को मजबूत करने की प्रेरणा देता है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि रायपुर का डबल्यूआरएस मैदान पांच दशकों से अधिक समय से विजयादशमी उत्सव की गौरवशाली परंपरा का साक्षी रहा है। प्रतिवर्ष यहां रावण दहन के माध्यम से अधर्म पर धर्म और असत्य पर सत्य की विजय का संदेश जन-जन तक पहुंचता है। वर्षों से चली आ रही यह परंपरा केवल उत्सव नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक चेतना को जीवंत रखने और नई पीढ़ी को भारतीय जीवन मूल्यों से जोड़ने का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने



कहा कि विजयादशमी हमें यह स्मरण कराती है कि समाज और राष्ट्र की वास्तविक शक्ति सत्य, सदाचार, एकता और न्याय में निहित होती है। हमारी सांस्कृतिक परंपराओं में निहित यही मूल्य पीढ़ी-दर-पीढ़ी हमें सही मार्ग पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देते रहे हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़वासियों के लिए विजयादशमी का पर्व विशेष महत्व रखता है, क्योंकि प्रभु श्रीराम का इस पावन धरती से अत्यंत गहरा और आत्मीय नाता है। छत्तीसगढ़ माता कौशल्या का मायका और प्रभु श्रीराम का ननिहाल माना जाता है।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार वनवास के दौरान प्रभु श्रीराम ने माता सीता और भ्राता लक्ष्मण के साथ छत्तीसगढ़ के वनांचलों में लंबा समय व्यतीत किया था। इसीलिए छत्तीसगढ़ की लोकआस्था, संस्कृति और जनजीवन में भगवान श्रीराम रचे-बसे हैं।

उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम का संपूर्ण जीवन त्याग, मर्यादा, धैर्य, साहस और धर्म के प्रति अटूट निष्ठा का अनुपम उदाहरण है। वनवास के दौरान अनेक कठिनाइयों और चुनौतियों का सामना करने के बावजूद वे कभी

अपने कर्तव्य और धर्म के मार्ग से विचलित नहीं हुए। उनका जीवन हमें विपरीत परिस्थितियों में भी धैर्य, मर्यादा और दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि रावण के पास अपार सैन्य शक्ति, अस्त्र-शस्त्र और महाबली योद्धाओं की विशाल सेना थी। दूसरी ओर प्रभु श्रीराम वनवासी जीवन व्यतीत कर रहे थे। उन्होंने वनवासियों और वानर सेना को उल्लेख करते हुए कहा कि आपरेशन सिंदूर का साहस देती है। प्रभु श्रीराम का संघर्ष केवल रावण के विरुद्ध युद्ध नहीं था, बल्कि अन्याय, अत्याचार और अधर्म के विरुद्ध धर्म एवं न्याय की स्थापना का संघर्ष था।

मुख्यमंत्री ने कहा कि रावण के साथ मेघनाद और कुंभकर्ण के पुतलों का दहन भी

एक गहरा संदेश देता है। असत्य और अधर्म का साथ देने वाला व्यक्ति चाहे कितना ही शक्तिशाली क्यों न हो, अंततः उसे उसके परिणाम का सामना करना पड़ता है। इसलिए हमें जीवन के प्रत्येक अवसर पर सत्य, न्याय, करुणा और मानवता को सर्वोच्च स्थान देना चाहिए।

उन्होंने कहा कि प्रभु श्रीराम के आदर्शों का वास्तविक अनुसरण केवल उनकी आराधना में नहीं, बल्कि उनके जीवन मूल्यों को अपने आचरण में उतारने में है। समाज में न्याय के पक्ष में खड़ा होना, कमजोर और जरूरतमंद का साथ देना तथा अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से निर्वहन करना ही रामराज्य की मूल भावना है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने विजयादशमी के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आतंकवाद के विरुद्ध भारत की दृढ़ नीति का उल्लेख करते हुए कहा कि आपरेशन सिंदूर के माध्यम से देश ने राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता और दृढ़ इच्छाशक्ति का परिचय दिया है। भारत ने स्पष्ट कर दिया है कि देश की सुरक्षा और नागरिकों के हितों से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में स्थायी शांति, सुरक्षा और विकास स्थापित करने के संकल्प के साथ आगे बढ़ रही है। बस्तर सहित प्रदेश के प्रत्येक क्षेत्र में विश्वास, विकास और खुशहाली का वातावरण निर्मित करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। शांति और सुरक्षा के साथ विकास की रोशनी अंतिम व्यक्ति तक पहुँचना ही सरकार का लक्ष्य है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रभु श्रीराम का जीवन हमें संकल्प लेने और उसे पूर्ण करने की प्रेरणा देता है। अयोध्या में भव्य श्रीराम मंदिर का निर्माण करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था, तप और लंबे संघर्ष से जुड़े संकल्प की पूर्ति का प्रतीक है।

उन्होंने कहा कि 22 जनवरी 2024 का दिन भारत के सांस्कृतिक और आध्यात्मिक इतिहास में सदैव स्वर्णाक्षरों में अंकित रहेगा। इस दिन अयोध्या में नवनिर्मित भव्य श्रीराम मंदिर में रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा हुई। यह अवसर देश और दुनिया के करोड़ों रामभक्तों के लिए अत्यंत भावुक, गौरवपूर्ण और ऐतिहासिक क्षण था।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार ने प्रदेशवासियों की भगवान श्रीराम के प्रति अगाध श्रद्धा और धार्मिक आस्था को ध्यान में रखते हुए श्रीरामलला अयोध्या धाम दर्शन योजना प्रारंभ की है। इस योजना के माध्यम से अब तक प्रदेश के 49 हजार से अधिक श्रद्धालुओं को अयोध्या धाम जाकर रामलला के दर्शन का सौभाग्य प्राप्त हुआ है।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विरासत अत्यंत समृद्ध है और भगवान श्रीराम से जुड़े धार्मिक स्थलों का इसमें विशिष्ट स्थान है। राज्य सरकार प्रदेश की संस्कृति, आस्था और धार्मिक परंपराओं के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रदेशवासियों को विजयादशमी की पुनः शुभकामनाएं देते हुए आह्वान किया कि हम सभी प्रभु श्रीराम के आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करें। सत्य, न्याय, सद्भाव, करुणा और मानवता के मार्ग पर चलते हुए अपने कर्तव्यों का पूरी निष्ठा से निर्वहन करें तथा एक शांतिपूर्ण, समरस, सुरक्षित और समृद्ध छत्तीसगढ़ के निर्माण में अपनी सहभागिता निभाएं।

अवेली में नल से जल ने आसान बनाई जिंदगी, 311 परिवारों को मिली राहत



खैरागढ़। जल जीवन मिशन के अंतर्गत ग्राम अवेली में विकसित पेयजल व्यवस्था ग्रामीण परिवारों के जीवन में सुविधा लेकर आई है। खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले के खैरागढ़ विकासखंड स्थित इस गांव में 80 किलोलीटर क्षमता वाले जलागार और पाइपलाइन के माध्यम से 311 घरों तक नल से जल पहुँचाने की व्यवस्था की गई है। घर पर पानी उपलब्ध होने से दैनिक जरूरतों के लिए पानी जुटाना आसान हुआ है।

पेयजल की सुविधा का सीधा संबंध परिवार की दिनचर्या से है। खाना बनाने, बर्तन एवं कपड़े धोने और साफ-सफाई जैसे कार्यों के लिए पानी आवश्यक होता है। ग्राम अवेली में घरेलू नल कनेक्शन के माध्यम से पानी उपलब्ध कराने की पहल ने इन जरूरतों को पूरा करने में मदद की है। विशेष रूप से महिलाओं को पानी लाने में लगने वाले समय और श्रम से राहत मिली है। बचने वाले समय का उपयोग वे परिवार की देखभाल और अन्य उपयोगी कार्यों में कर सकती हैं। योजना के अंतर्गत निर्मित 80 किलोलीटर क्षमता का जलागार गांव की पेयजल व्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार बना है। जल भंडारण एवं पाइपलाइन से घरों तक आपूर्ति की सुविधा ने ग्रामीण पेयजल व्यवस्था को सुदृढ़ किया है। घर में पानी की उपलब्धता से व्यक्तिगत स्वच्छता और घरेलू साफ-सफाई बनाए रखने में भी सहूलियत होती है। जल जीवन मिशन का उद्देश्य प्रत्येक ग्रामीण परिवार तक पर्याप्त एवं निश्चित गुणवत्ता का पेयजल पहुँचाना है। ग्राम अवेली में विकसित यह व्यवस्था इसी उद्देश्य को धरातल पर साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। यह पहल बताती है कि बुनियादी सुविधाओं का विस्तार ग्रामीण परिवारों की रोजमर्रा की जिंदगी को सरल बनाने में कितनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। पेयजल व्यवस्था का लाभ निरंतर मिलता रहे, इसके लिए जलागार एवं पाइपलाइन का नियमित रखरखाव, जल गुणवत्ता परीक्षण और पानी का विवेकपूर्ण उपयोग आवश्यक है।